ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 307 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 मई 2026 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
42.6 अधिकतम
29.2 न्यूनतम

Page-7

अपील प्रधानमंत्री की... क्या सत्ता भी अपनाएगी संयम का रास्ता?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में लगातार बिगड़ते हालात ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और विदेशी मुद्रा भंडार पर संभावित दबाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने और सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील की है।

सरकार का तर्क साफ है - भारत आज भी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है और तेल की हर उछाल सीधे देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ाती है। लेकिन, प्रधानमंत्री की इस अपील के बाद देश में जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आई है, उसने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। क्या संयम केवल जनता के लिए है या सत्ता प्रतिष्ठान भी उसका पालन करेगा? सोशल मीडिया पर लोगों ने सरकार की अपील का समर्थन करने की बजाय उसके व्यवहारिक पक्ष पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। सबसे ज्यादा चर्चा नेताओं और अफसरों के बड़े-बड़े काफिलों, सरकारी खर्चों और वीआईपी संस्कृति को लेकर हुई। लोगों ने पूछा कि जब जनता से पेट्रोल बचाने को कहा जा रहा है, तब क्या मंत्री और अफसर अपने दर्जनों वाहनों वाले काफिले कम करेंगे? क्या सरकारी विदेशी दौरों में कटौती होगी? क्या सरकारी बैठकों और आयोजनों में फिजूलखर्ची रुकेगी? दरअसल, लोकतंत्र में किसी भी आर्थिक संयम की अपील तभी प्रभावी होती है जब जनता को यह महसूस हो कि त्याग केवल उसी से नहीं मांगा जा रहा। इतिहास गवाह है कि संकट के समय नेतृत्व की सादगी जनता में भरोसा पैदा करती है। 1970 के दशक के तेल संकट से लेकर 1991 के आर्थिक संकट तक दुनिया के कई देशों में सरकारों ने प्रतीकात्मक और वास्तविक दोनों तरह की मितव्ययिता अपनाई थी। भारत में भी आज वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा होती है। मेट्रो रेल, वंदे भारत ट्रेनें, इलेक्ट्रिक बसें और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को देश की नई पहचान बताया जाता है। ऐसे में यदि नेता और वरिष्ठ अधिकारी खुद सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते दिखाई दें, तो यह केवल ईंधन बचत का संदेश नहीं होगा, बल्कि जनता के साथ साझेदारी का प्रतीक भी बनेगा। यह भी सच है कि मौजूदा स्थिति को 1991 जैसा आर्थिक संकट बताना अतिशयोक्ति होगी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अभी भी अपेक्षाकृत मजबूत है। लेकिन वैश्विक हालात तेजी से बदल रहे हैं और सरकार भविष्य के जोखिमों को देखते हुए एहतियाती संदेश देना चाहती है। समस्या अपील में नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता में है। जनता आज केवल भाषण नहीं, व्यवहार देखना चाहती है। यदि सरकार चाहती है कि लोग पेट्रोल बचाएं, विदेश यातर खर्च घटाएं और अनावश्यक उपभोग कम करें, तो सत्ता वर्ग को भी उसी कसौटी पर खरा उतरना होगा। आखिरकार, आर्थिक संकटों से निपटने का सबसे प्रभावी तरीका केवल नीतियां नहीं, बल्कि साझा विश्वास होता है। और विश्वास वहीं बनता है, जहां जनता को लगे कि नियम सबके लिए बराबर हैं।

भारत में कितना है टैक्स

सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स दुनिया के कई अन्य प्रमुख देशों की तुलना में काफी ज्यादा है और इसे अक्सर एक जहरीले या अत्यधिक कर के रूप में देखा जाता है। बजट 2026 में, विशेष रूप से भावी संभावनाओं वाले विकल्पों यानि एफ एंड ओ पर एसटीटी को एक अप्रैल 2026 से और बढ़ा दिया गया है। **नई दरें इक्विटी डिलीवरी** - 0.1 फीसदी (खरीद और बिक्री दोनों पर)। इक्विटी बिक्री - 0.025 फीसदी। फ्यूचर्स बिक्री- 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी। ऑप्शंस (प्रीमियम)- 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी। ऑप्शंस की एक्सरसाइज (निपटान)- 0.125 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी। अमेरिका, सिंगापुर, जापान जैसे देशों में ऐसा कोई विशिष्ट सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स नहीं है। यूके में शेयर की सेकेंडरी सेल पर 0.5 फीसदी स्टैंप ड्यूटी लगती है। चीन में यह 0.1 फीसदी है।

जरा इधर भी गौर फरमाएं मोदी जी...

भारत में डॉलर को बचाने की चिंता में देश की जनता से किफायत की अपील करते नरेन्द्र मोदी जी को एक नजर अपने वित्त मंत्रालय की नीतियों पर भी डालने की जरुरत है। क्या उन्हें पता है कि इसी साल के दौरान विदेशी निवेशकों ने दो लाख करोड़ से ज्यादा की रकम भारतीय बाजार से बाहर निकाली ? यह पैसा डॉलर्स के रूप में ही आया था और डॉलर्स के बतौर ही वापस गया , जो रूपए के कमजोर होने का एक कारण भी बना। सवालों यह है कि यह क्यों वापस गया? यह देखना भी जरूरी है टैक्स के मामले में हम कहाँ खड़े हैं? भारत और दुनिया में मुख्य अंतर क्या है ? भारत में मल्टी-लेयर टैक्सेशन है। यानी, भारत में देशी और विदेशी निवेशकों से कई स्तर पर टैक्स। एसटीटी यानी सिक्योरिटी टट्रांजेक्शन टैक्स, शार्ट टर्म केपिटल गेन, लॉन्ग टर्म केपिटल गेन, ब्रोकरेज पर जीएसटी, स्टाम्प ड्यूटी। इसी के चलते शेयर बाजार में सक्रिय ट्रेडर्स और विदेशी संस्थागात निवेशक भारत से कतरा रहे हैं। खासतौर पर इस साल के बजट में लगाये गए करों के चलते विदेशी निवेशकों ने भारत से हाथ खींचे। उन्होंने इसके बजाए सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात को अपने निवेश का ठिकाना बनाया। अमेरिका का मॉडल भी भारत से बेहतर है। वहां ट्रेडिंग पर एसटीटी नहीं है। निवेश का वक्त बढ़ाने के लिए लॉन्ग टर्म केपिटल गेन पर कम टैक्स है। अमेरिका पूंजी बाजार को आर्थिक विकास का इंजन मानता है। इससे बाजार में वित्तीय तरलता यानी लिक्विडिटी अधिक रहती है। वैश्विक पूंजी आकर्षित होती है। क्या भारत में ऐसा नहीं हो सकता ? भारतीय आर्थिक जानकार मानते हैं कि यदि एसटीटी हटे या घटे तो ट्रेडिंग बढ़ सकती है। शार्ट टर्म केपिटल गेन, लॉन्ग टर्म केपिटल गेन टैक्स कम होने से संस्थागत विदेशी विवेशक वापस लौट सकते हैं। यानी डॉलर्स भी आएँगे और रुपया भी कमजोर होने से बचेगा। लेकिन 2024 से इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने लगातार ऐसे सारे टैक्स को न सिर्फ लागू रखा बल्कि दरों को और बढ़ा दिया। भारत में विदेशीं निवेश की संभावना की कम किया। केंद्र सरकार की सोच है की टैक्स से राजस्व मिलता है। सट्टेबाजी पर नियंत्रण और बाजार में पारदर्शिता बनी रहती है। लेकिन ऐसी दलीलों का क्या फायदा जो रूपए को कमजोर करने का प्रमुख कारण कारक बन रही हैं।

बेंगलुरु-कोलकाता, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

एन. रंगासामी ने ली पुदुचेरी के सीएम पद की शपथ

तिरुवनंतपुरम। पुदुचेरी की राजनीति के दिग्गज नेता और ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक एन. रंगासामी ने आज पांचवीं बार पुदुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। लोक निवास में आयोजित एक समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने रंगासामी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। रंगासामी ने ईश्वर के नाम पर शपथ ग्रहण की।

तमिलनाडु में विजय सरकार ने पास किया फ्लोर टेस्ट

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय की सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। TVK के समर्थन में 144 वोट पड़े, जिसमें AIADMK के बागी विधायकों को वोट भी शामिल हैं। विश्वास प्रस्ताव के विरोध में केवल 22 वोट पड़े। वोटिंग के दौरान 5 विधायक गैरमौजूद रहे। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने विजय की AIADMK के बागी विधायकों से मुलाकात पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह गलत है। यह बदलाव है या सौदेबाजी। क्या यही आपकी साफ-सुथरी सरकार है। TVK सरकार को इंस्टाग्राम Reel के जरिए नहीं, बल्कि Real गवर्नेंस करनी चाहिए।

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ी, सोना 10 और चांदी 18 हजार महंगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। एमसीएक्स पर सोना 10 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.63 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.97 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है।

आज का कार्टून

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला... परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए के अस्तित्व पर सवाल

ज्यूडीशियल निगरानी में कराएं नीट का आयोजन

नईदिल्ली, एजेंसी

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि नीट यूजी 2026 के आयोजन में व्यवस्थित विफलता हुई है। याचिका में मांग की गई है कि एनटीए को बदला जाए या उसका पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। साथ ही, दुबारा होने वाली नीट यूजी 2026 की नई परीक्षा न्यायिक निगरानी में कराई जाए।

याचिका में यह मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को नीट परीक्षा आयोजित करने के लिए एनटीए को एक अधिक मजबूत, तकनीकी रूप से उन्नत और स्वायत्त निकाय की रूप में बदलने का निर्देश दे। यह याचिका एनटीए द्वारा 3 मई को आयोजित एनईटी-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द करने और केंद्र द्वारा जांच सीबीआई को सौंपने के बाद दायर की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर जो अनुमानित प्रश्नपत्र घूम रहे थे, उनका असली परीक्षा के 100 से ज्यादा प्रश्नों से मेल पाया गया था।

सीबीआई टीम जयपुर पहुंची

नीट गैस पेपर की जांच की कड़ियां सीकर, जयपुर और गुरुग्राम से होते हुए महाराष्ट्र के नासिक और पुणे तक पहुंची थी। कई राज्यों में फैले नेटवर्क और अंतरराज्यीय साजिश के संकेत मिलने के बाद एसओजी के आईजी अजय पाल लांबा ने बताया कि जांच के दौरान सामने आए सभी तथ्यों के दस्तावेज और संदिग्धों को दिल्ली से जयपुर पहुंची सीबीआई टीम ने अपनी कस्टडी में ले लिया है।राजस्थान एसओजी इस मामले में करीब चार दर्जन आरोपियों को पहले हिरासत में ले चुकी थी। राजस्थान व महाराष्ट्र पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार दोपहर नासिक के इंदिरा नगर से एक आरोपी शुभम खैरनार (30) को गिरफ्तार किया गया। वह बीएएमएस का छात्र है और एजुकेशन काउंसिलिंग का भी काम करता है।

सिस्टम के सामने चुनौती... साबित करे कि वह पेपर लीक माफिया के साथ नहीं

सूरत-ए- हाल
अनिल शर्मा

नीट यूजी परीक्षा का रद्द होना भारतीय शिक्षा प्रणाली की रीढ़ की हड्डी में घुसे दीमक का सबूत है। 22 लाख से अधिक छात्र और उनके परिवार के सपनों को ध्वस्त करने वाली टेस्टिंग एजेंसी ने अपनी लापरवाही (या मिलीभगत) से खुद को 'नेशनल टेम्परिंग एजेंसी' साबित कर दिया है। जब देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में ही 'पारदर्शिता' और 'पवित्रता' की धज्जियां उड़ जाएं, तो नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अस्तित्व पर सवाल उठना लाजमी है। पेपर लीक और अनियमितताओं के कारण परीक्षा रद्द होने से बच्चों में गहरा असंतोष और मानसिक तनाव है। कोचिंग के लिए लाखों रुपये और वर्षों की रात-दिन की मेहनत उस पेपर माफिया के सामने घुटने टेक देती है जो पैसों के दम पर पेपर खरीद लेते हैं। ईमानदार छात्र हताश हैं, जबकि भ्रष्ट तंत्र फल-फूल रहा है। विपक्ष भी सरकार की लापरवाही पर तीखे हमले न करे तो क्या करे। परीक्षा माफिया को रोकने में नाकाम रहना सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के साथ एक संगठित अपराध है। परीक्षा रद्द होने के बाद अब फिर से वही तैयारी, वही मानसिक दबाव और वही अनिश्चितता का बोझ छात्रों को मानसिक रूप से तोड़ रहा है। यह समय सिर्फ जांच का नहीं, बल्कि 'जवाबदेही' तय करने का है। यदि सिस्टम अपनी ही परीक्षा का विश्वास बहाल नहीं कर सकता, तो उसे शिक्षा के क्षेत्र में इसे अपनी हार मान लेनी चाहिए। क्या हमारे बच्चों के सपने सिर्फ एक कागज़ के टुकड़े (पेपर) की सुरक्षा के मोहताज रहेंगे?

पेपरलैस परीक्षा क्यों नहीं?: आखिर, नीट-यूजी परीक्षा पेन-एंड-पेपर की बजाय आईआईटी-जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित क्यों नहीं हो सकती। इससे पेपर लीक होने की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल सकती है। क्या ऑनलाइन परीक्षा न कराने के पीछे करोड़ों-अरबों का खेल करने वाले माफिया का दबाव है? सरकार और टेस्टिंग एजेंसी यह तर्क देती आईं हैं कि नीट में हर साल लगभग 20-24 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं, जो जेईई से कहीं ज्यादा है। एक ही दिन में इतने सारे कंप्यूटर और फास्ट इंटरनेट वाले परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराना एक बहुत बड़ी चुनौती है। लेकिन ऐसे तर्क देकर बच्चों के भविष्य से कब तक खिलवाड़ किया जा सकता है। सरकार को यदि भरोसा कायम करना है (कि वह इस परीक्षा को मोटी कमाई का जरिया मानने वाले माफिया के साथ नहीं है) तो उसे चाहिए कि इसे अपनी प्राथमिकता में लेकर और संसाधन उपलब्ध कराए ताकि डिजिटल टेस्ट हो सके।

शिक्षा मंत्री प्रधान की भूमिका! : 2024 में भी लगभग ऐसा ही हुआ था। उस घटना के बाद बानी जाँच समिति की रिपोर्ट भी धूल खा रही है। उसकी अनुशंसाओं को अभी तक अमल में नहीं लाया गया। परीक्षा रद्द करने के बाद मीडिया के सामने आए संस्था के महानिदेशक अभिषेक सिंह के पास सवालों के जवाब नहीं थे। वे सिर्फ यही दोहराते रहे कि सीबीआई जांच में सच सामने आएगा। यहां देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी सवालों के घेरे में हैं। उनके इस पद पर आने के बाद लगातार ऐसे मौके आए हैं जब सरकार की किरकिरी हुई है। इसी साल की शुरुआत में यूजीसी की गाइडलाइन में सवर्ण छात्रों से भेदभाव के नियमों को लेकर भी भारी आलोचना हुई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों पर रोक लगाई । अब, पेपर लीक के इस संगीन मामले और परीक्षा रद्द होने की जिम्मेदारी क्या प्रधान को नहीं लेनी चाहिए ?

अखिलेश यादव के भाई प्रतीक का 38 की उम्र में निधन, कारण का पता नहीं

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का आज निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अखिलेश के सौतेले भाई हैं। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। प्रतीक की पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा फिलहाल असम में हैं। वे लखनऊ के लिए रवाना हो गई हैं। अभी मौत की वजह पता नहीं चल सकी है। सूत्रों के मुताबिक, प्राथमिक रिपोर्ट में शरीर पर किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं है।

लाड़ली बहनों के खाते में एक क्लिक से आए 1835 करोड़

नरसिंहपुर, एजेंसी

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आयोजित कार्यक्रम में लाडली बहना योजना की 36वीं किस्त जारी की। इस दौरान प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 1835 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। लाडली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं की घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है।

ईरान के खिलाफ जंग जीतेंगे: ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी संघर्ष में अमेरिका हर हाल में जीतेगा। चीन रवाना होने से पहले ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास हालात संभालने के लिए हर विकल्प मौजूद है। ट्रम्प ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत में ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि व्यापार दोनों नेताओं की बैठक का मुख्य मुद्दा रहेगा। इससे पहले ट्रम्प कह चुके हैं कि ईरान के साथ मौजूदा युद्धविराम वेंटिलेटर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह खर्च सिर्फ हथियारों और सैन्य उपकरणों पर हुआ है। इसमें सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का खर्च शामिल नहीं है। अमेरिकी सरकार ने कांग्रेस में अतिरिक्त रक्षा बजट की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे प्रभावी सैन्य ताकत बने रहने के लिए अमेरिका को 1.5 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत है। अमेरिका के पास अभी भी कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं, जिनमें संघर्ष बढ़ाना भी शामिल है।

मेट्रो एंकर | **बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा - शादी दो लोगों के बीच बराबर की साझेदारी**

पत्नी को नौकरानी न समझें, काम से इनकार करना तलाक का आधार नहीं

मुंबई, एजेंसी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि पत्नी का घर के काम करने से मना करना मानसिक क्रूरता नहीं माना जा सकता और यह तलाक का आधार नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने कहा कि शादी दो लोगों के बीच एक बराबर की साझेदारी है, न कि कोई सेवा का कॉन्ट्रैक्ट। पत्नियों के साथ नौकरों जैसा बर्ताव नहीं किया जा सकता, जिनसे खाना बनाने और साफ-सफाई करने की उम्मीद की जाए।

क्रूरता के आधार पर तलाक देने वाले 16 साल पुराने फैमिली कोर्ट के आदेश को बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने पति को यह भी निर्देश दिया कि वह पत्नी को सम्मान के साथ रहने में मदद करने के लिए 10 हजार रुपये गुजारा भत्ता और 10 हजार रुपये घर के किराए के तौर पर दे। बेंच ने कहा कि फैमिली कोर्ट का आदेश अन्यायपूर्ण था और उसे बरकरार नहीं रखा जा सकता।

इस कपल की शादी 28 फरवरी, 2002 को हुई थी, लेकिन वे तीन महीने से भी कम समय तक साथ रहे, जिसके बाद आपसी मतभेदों के चलते पत्नी अपने माता-पिता के घर लौट गई। बाद में पति ने मुंबई के फैमिली कोर्ट में क्रूरता के आधार पर तलाक की अर्जी दी। पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी उसके माता-पिता की बात नहीं मानती थी, उसके साथ बदतमीजी से पेश आती थी और उसे खाना बनाना भी नहीं आता था। उसके अनुसार, पत्नी का यह बर्ताव क्रूरता की श्रेणी में आता था। इन्हीं आरोपों के आधार पर, फैमिली कोर्ट ने जुलाई 2010 में उनकी शादी को खत्म कर दिया था। पत्नी ने फैमिली कोर्ट के इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की बेंच ने पाया कि पति के लगाए गए आरोप वैवाहिक विवादों में काफी आम होते हैं और वे क्रूरता की ऐसी श्रेणी में नहीं आते जिनके आधार पर तलाक दिया जा सके। कोर्ट ने कहा कि शादी को खत्म करने के लिए क्रूरता का आधार तभी बनता है, जब वह बर्ताव गंभीर और लगातार हो, और उसकी प्रकृति ऐसी हो कि पति-पत्नी के लिए साथ रहना नामुमकिन हो जाए।

तलाक के लिए गंभीर आरोप जरूरी

बेंच ने इस बात पर गौर किया कि यह कपल तीन महीने से भी कम समय तक साथ रहा था और इतनी कम अवधि के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि उनका साथ रहना नामुमकिन हो गया था। कोर्ट ने कहा कि क्रूरता के आधार पर तलाक की अर्जी में जिन घटनाओं का जिक्र किया जाता है, वे आम घरेलू झगड़ों से कहीं ज़्यादा गंभीर होनी चाहिए। जजों ने आगे कहा कि मानसिक क्रूरता का मतलब ऐसे बर्ताव से है जिससे किसी को भावनात्मक ठेस, अपमान या पीड़ा पहुंचे। लेकिन इसकी व्याख्या हर मामले के सामाजिक पृष्ठभूमि, पारिवारिक परिस्थितियों और तथ्यों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। इसलिए, कोर्ट ने कहा कि क्रूरता को परिभाषित करने का कोई एक तय पैमाना या फॉर्मूला नहीं हो सकता।

निजी जीवन और पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी तरह प्रभावित

हमीदिया अस्पताल में 12 घंटे की ड्यूटी 30 मरीजों को सिर्फ एक नर्स संभाल रहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल की आइसीयू में सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक ड्यूटी पर खड़ी नर्स जया बरई की पानी की बोतल टेबल पर रखी है। 12 घंटे में शायद ही उसे खोलने का मौका मिले। मेडिकल इमरजेंसी में 12 घंटे ड्यूटी करते हैं, पानी पीने की ड्यूटी आती है तब याद आता है कि बोतल रखी है। पानी पीने का समय ही नहीं मिलता, जया की आवाज में थकान साफ सुनाई देती है।

यह सिर्फ जया की कहानी नहीं है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 2000 के करीब नर्सें हैं, लेकिन मरीजों की संख्या के सामने ये संख्या नाकाफी है। नियम कहता है कि जनरल वार्ड में 10 मरीजों पर एक नर्स होनी चाहिए। आइसीयू में अगर मरीज कोमा में है तो एक मरीज पर एक नर्स, और होश में है तो दो मरीजों पर एक नर्स। लेकिन हकीकत यह है कि यहां एक नर्स के कंधे पर 30-30 मरीजों की जिम्मेदारी है।

कोविड ने छीना साथी प्रमोशन ने छोड़ा इंतजार

आइसीयू कोरोनरी केयर यूनिट में काम करने वाली शिवरती भलावी ठाकुर 18 साल से हमीदिया में हैं। कोविड में उन्होंने पति को खो दिया। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल 2021 को पति अजय सिंह ठाकुर का निधन हुआ। वो भी डॉक्टर थे। मैं कोविड आइसीयू में ड्यूटी कर रही थी, वो भी कोविड मरीज देख रहे थे। त्रिलंगा में रहने वाली शिवरती अब सिंगल मदर है। पांच साल का बेटा है। परिवार के लिए समय नहीं मिल पाता। ससुराल से कोई मदद नहीं मिलती है। वेतन बढ़ता है, लेकिन प्रमोशन नहीं होता है। सैलरी भी न के बराबर बढ़ती है। इसी तरह आइसीयू में काम करने वाली पुष्पा की कहानी भी कम दर्दनाक नहीं। आइवीएफ से बेटी हुई थी, आठ महीने की बच्ची स्टील बर्थ निकली। पुष्पा ने बताया कि बेटी होने में सात-आठ लाख रुपये खर्च किए थे। बच्ची पेट में ही मर गई। इसके बाद भी ड्यूटी नहीं छोड़ी।

घर नहीं जा पाते, रोने लग जाते हैं

नर्सिंग आफिसर जया बरई 19 साल से हमीदिया में हैं। घर अस्पताल से 15 किमी दूर है। घर में समय नहीं दे पाती, छुट्टी भी नहीं मिल पाती। पर्सनल लाइफ पूरी तरह प्रभावित है। हिंदू कल्चर में रस्में पूरी नहीं कर पाते। परिवार वाले ताने मारते हैं कि घर की बहू समय पर नहीं आ पा रही। उन्होंने बताया कि दो बच्चे हैं, पति इंजीनियर हैं, लेकिन मैं बच्चों को समय नहीं दे पाती। जया ने बताया कि बेटे का कान का पर्दा फट गया था। ढाई-तीन महीने तक उसे हिलने नहीं देना था, मूवमेंट नहीं करनी थी। दस दिनों तक खून बहता रहा, लेकिन मैं अपनी ड्यूटी नहीं छोड़ पाई। खून बह रहा था और मैं दूसरे मरीजों को देख रही थी।

गिरफ्तारी नहीं होने पर दी शहर बंद की चेतावनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में 2 दिन पहले हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक होटल में ठहरे युवक और युवती को पकड़ा था। साथ ही मुस्लिम युवक के साथ मारपीट की गई थी। इसी मुद्दे पर मुस्लिम समाज सड़क पर उतर आया। आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करने पर उनकी नाराजगी देखने को मिली। उन्होंने दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। वरना भोपाल बंद करने की चेतावनी भी दी।

दरअसल, रात 11 बजे हमीदिया अस्पताल के पास सैकड़ों लोग जुट गए। इस वजह से हमीदिया अस्पताल के गेट बंद कर दिए गए। मौके पर विधायक आतिफ अकील और आरिफ मसूद पहुंचे। जिन्होंने लोगों को समझाइश देकर हटाया। इधर, मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। रात 12 बजे के बाद तक लोग मौके पर जुटे रहे। पुलिस ने बेरिकेडिंग भी की है। विधायक अकील ने बताया कि लोगों को समझाइश देकर हटाया गया है। बता दें कि हिंदू संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने युवक के चेहरे पर स्याही और गोबर पोत दिया। अर्धनग्न कर पीटा और गोविंदपुरा पुलिस के हवाले कर दिया था।

रेलवे ने पीडब्ल्यूडी को लौटाया प्रस्ताव

90 डिग्री ओवरब्रिज : 35 दिन बाद भी फाइलों में अटका सुधार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

देश में चर्चित राजधानी का ऐशबाग 90 डिग्री ओवरब्रिज पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की लापरवाही और सुस्त कागजी कार्रवाई का शिकार हो गया है। ब्रिज के खतरनाक मोड़ को सुधारने पर रेलवे और पीडब्ल्यूडी के बीच 35 दिन पहले सहमति बन चुकी थी, लेकिन सुधार कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। स्थिति यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बना ओवरब्रिज पिछले 11 महीनों से बंद पड़ा है और जनता सिर्फ इसके शुरू होने का इंतजार कर रही है।

तकनीकी गलती से फिर अटका मामला

सात अप्रैल को हुई बैठक में तय किया गया था कि ब्रिज के तीखे मोड़ का रेडियस 2 से बढ़ाकर 2.5 मीटर किया जाएगा। उम्मीद थी कि एक सप्ताह के भीतर काम शुरू हो जाएगा, लेकिन पीडब्ल्यूडी द्वारा भेजे गए तकनीकी प्रस्ताव में कई खामियां निकल आईं। इसके बाद रेलवे ने पीडब्ल्यूडी को नोटिस जारी कर प्रस्ताव दोबारा जमा करने को कहा। चार दिन पहले हुई बैठक के बाद संशोधित प्रस्ताव फिर से जमा किया गया है।

अब टेबल-टेबल घूम रही फाइल

सूत्रों के मुताबिक अब री-डिजाइन की फाइल मंजूरी के लिए भोपाल रेल मंडल कार्यालय में अलग-अलग टेबलों पर घूम रही है। यहां से अप्रूवल मिलने के बाद फाइल जबलपुर भेजी जाएगी, जहां अंतिम मंजूरी दी जाएगी। विभागीय प्रक्रिया की धीमी रफ्तार को देखकर माना जा रहा है कि सुधार कार्य शुरू होने में अभी और समय लग सकता है।

जनता को करना पड़ रहा इंतजार

एक तरफ शहर के लोग इस ओवरब्रिज के खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विभागीय कागजी कार्रवाई खत्म होने का नाम नहीं ले रही। गति शक्ति, भोपाल मंडल के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर अनुपम अवस्थी ने बताया कि री-डिजाइन पर सहमति बन चुकी है। सबमिशन में कुछ तकनीकी खामियां थीं, जिन्हें दूर कर दिया गया है। अब अप्रूवल प्रक्रिया में थोड़ा समय लगेगा।

पुलिस कर्मियों को मिलेगा कार्यवाहक उच्च पद प्रभार, समितियों का गठन करने के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुलिस महकमे में उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार देने के लिए पुलिस मुख्यालय ने 15 दिन में कार्यवाही पूरी करने को कहा है। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों से कहा है कि तीन दिन में इससे संबंधित समितियों का गठन कर कार्यवाहक प्रभार देने के निर्देश जारी किए हैं और कार्यवाही की रिपोर्ट भी मांगी है।

पुलिस मुख्यालय ने पुलिस विभाग में रिक्त पदों पर 'कार्यवाहक पद का उच्च प्रभार' देने की कार्यवाही तेज करने के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी विशेष पुलिस महानिदेशकों, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस आयुक्त इंदौर-भोपाल तथा सभी इकाई प्रमुखों को इस मामले में कार्रवाई करने को कहा गया है। पीएचक्यू के ताजा निर्देशों के अनुसार डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा है कि आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक तथा लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों को उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी की जाएगी। इसके लिए जिला एवं रेंज स्तर पर समितियों का गठन तीन दिवस के भीतर करने तथा 15 दिनों के अंदर कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

समयमान वेतनमान, सीआर व सेवा विवरण की कार्यवाही एक हफ्ते में करें-पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समयमान वेतनमान, गोपनीय चरित्रावली तथा सेवा विवरण की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी कर जानकारी मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए। इसको लेकर पीएचक्यू ने 6 मई को निर्देश जारी कर इसके लिए तैयारी करने को कहा था। करीब 11 महीने पहले तक विभाग में यह व्यवस्था बंद रही है। पिछले साल 17 जून को मोहन यादव कैबिनेट द्वारा पदोन्नति के नए नियमों को मंजूरी दिए जाने और 19 जून 2025 को नियमित पदोन्नति संबंधी अधिसूचना जारी होने के बाद इस प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। 6 मई को जारी निर्देश में स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चूंकि अब जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका में 23 अप्रैल को पारित आदेश में उच्च पदों पर कार्यवाहक प्रभार दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए न्यायालय के आदेश के पालन में पुलिस मुख्यालय ने यह प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

लोगों की प्यास बुझाने वाले प्याऊ बदहाल...

भोपाल। करोंद गल्ला मंडी की सब्जी मंडी में भीषण गर्मी के बीच बुनियादी सुविधाओं की कमी ने व्यापारियों, किसानों और आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जहां एक ओर तापमान लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर मंडी में लगे पानी के प्याऊ बंद पड़े हैं। हालात इतने बदतर हैं कि जिन जगहों पर प्याऊ बने थे, वहां गंदगी और बदबू का माहौल है। मंडी में रोज सैकड़ों किसान अपनी उपज लेकर पहुंचते हैं और हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं, लेकिन पीने के साफ पानी की व्यवस्था न होने से सभी को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी बताते हैं कि कई बार मंडी प्रशासन को शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से मांगे प्रस्ताव

भोपाल से श्रीनगर-चेन्नई समेत कई शहरों के लिए जल्द शुरू होंगी उड़ानें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट से आने वाले महीनों में देश के कई बड़े शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू हो सकती हैं। मध्यप्रदेश शासन ने शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल आमंत्रित किए हैं। इसके तहत भोपाल समेत प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट्स से प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए नई उड़ान सेवाएं शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार भोपाल से श्रीनगर, चेन्नई, देहरादून, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, गोवा और केरल सहित कई शहरों के लिए उड़ानें शुरू हो सकती हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा की है। भोपाल विमानतल सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मीक का कहना है कि समिति की बैठकों में लगातार बेहतर एयर कनेक्टिविटी की मांग उठाई गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन देने की पहल की है, जिससे भोपाल जैसे उभरते केंद्र से नई उड़ानों की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। राजधानी भोपाल मध्य भारत का महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी सेंटर बन सकता है। नई उड़ानों से पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा, मेडिकल टूरिज्म, रियल एस्टेट और नॉलेज एंड एआई सिटी जैसी संभावनाओं को गति मिलेगी।

वाराणसी, अयोध्या का मार्ग सुझाया...

बैठक में जयपुर होते हुए जम्मू, लखनऊ होते हुए देहरादून, हैदराबाद होते हुए चेन्नई और वाराणसी होते हुए अयोध्या जैसे व्यवहारिक रूट भी सुझाए गए। इसके साथ ही एयरपोर्ट से शहर तक एसी बस सेवा, स्थानीय व्यंजन और पारंपरिक कला के प्रदर्शन, फ्रूट्स बार और पोहा स्टॉल शुरू करने जैसे सुझाव भी सामने आए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रस्तावों को मंजूरी मिलती है तो भोपाल की देश के प्रमुख शहरों से सीधी हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक कुछ दिन पहले सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी। बैठक में एयर-कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाएं, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वच्छता और टर्मिनल विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान चेन्नई के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट, बड़े बैकलिट डिस्प्ले, बेहतर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और एयरपोर्ट पर रिक्लाइनर जैसी सुविधाओं के सुझाव भी रखे गए।

एमसीयू में 'प्रतिभा' आयोजन का पुरस्कार वितरण समारोह

'सफलता केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए होनी चाहिए'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

देश में 1947 के बाद पुलों और कारखानों के निर्माण की बात तो बहुत हुई, लेकिन व्यक्ति निर्माण की बात कम हुई, जबकि व्यक्ति निर्माण के बिना राष्ट्र निर्माण संभव नहीं है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि सफलता केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए होनी चाहिए।

ये बातें एमसीयू में प्रतिभा-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के खेल, युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे संबंधों को साझा किया।उन्होंने कहा राष्ट्र निर्माण और व्यक्ति निर्माण पर हमें विशेष ध्यान देना होगा।

श्री सारंग ने भगवान राम, श्रीकृष्ण, गांधी, भगत सिंह और राजगुरु जैसे नायकों का उदाहरण देते हुए बताया कि इन सबने युवावस्था में ही बड़े परिवर्तन किए थे। एक व्यावहारिक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि हॉल से निकलते समय आखिरी छात्र बिजली का बटन बंद कर देता है, तो वह भी देश के लिए एक बड़ा योगदान है। दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल दो चीजें हैं प्लेजर (खुशी) और पेन (दर्द)। यदि हमें दूसरों के कष्ट को देखकर दर्द होता है, तभी हम सच्चे नागरिक बन सकते हैं।

मदर्स डे पर वृद्धजनों के सम्मान में आत्मीय एवं प्रेरणादायी आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मदर्स डे पर समाजसेवी दीप्ति परमेश्वरी सिंह के निवास पर अपना घर वृद्धाश्रम के वृद्धजनों के सम्मान एवं सत्कार हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों का आत्मीय स्वागत पुष्प एवं सम्मान स्वरूप भेंट देकर किया गया। वरिष्ठजनों के साथ स्नेहपूर्ण संवाद एवं उनके अनुभवों ने पूरे वातावरण को भावुक और प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर सभी वृद्धजनों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई, जिसमें सभी ने परिवार जैसा अपनापन अनुभव किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित अतिथियों एवं वृद्धजनों ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। मालती राय ने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान एवं सेवा हमारी संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे आयोजन समाज में संवेदनशीलता, परिवार भावना एवं सामाजिक समरसता को सशक्त करते हैं। दीप्ति परमेश्वरी सिंह जी ने कहा कि मातृशक्ति एवं वरिष्ठजनों का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है तथा उनके सम्मान के लिए समाज को निरंतर आगे आना चाहिए।

मेट्रो एंकर

'शिनाख्त: अग्निगर्भ में जलती पंखुरियां' का हुआ लोकार्पण

प्रथाओं में मनुष्य के लाभ और हानि के गणित भी होते हैं : डॉ. बलवटे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

डॉ. वीणा सिन्हा जब नालन्दा के स्मारकों के सामने खड़े होती हैं तब वे उसे एक ऐतिहासिक स्मारक के रूप न देखते हुए इतिहास में स्त्री विमर्श को देखती हैं। इसी पर आधारित वरिष्ठ गायनेकोलॉजिस्ट एवं स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत अपर संचालक डॉ. सिन्हा के चर्चित उपन्यास 'अग्निगर्भ में जलतीं पंखुरियां' पर केंद्रित पुस्तक 'शिनाख्तः अग्निगर्भ में जलती पंखुरियां' का लोकार्पण एवं विमर्श मंगलवार को दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय में हुआ।

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समीक्षकों एवं आलोचकों ने उपन्यास की विवेचना एवं चर्चा कर अपनी बात रखी। उपन्यास की समीक्षा पर आधारित पुस्तक में देश भर से 21 लेखकों ने साहित्यिक एवं शोध आलेख लिखे हैं। प्रो आशा शुक्ला, डॉ वीणा सिन्हा एवं रतनमणि लाल द्वारा विमोचित पुस्तक का संपादन किया गया है। डॉ वीणा सिन्हा ने कहा कि आज हम जो भी बने हुए इतिहास की स्मृतियों से बने हुए हैं। नालन्दा के धरोहर एक काल खंड की कहानी कहते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त गजलकार अपर्णा पात्रीकर ने कहा कि लेखिका ने ऐतिहासिक स्मारकों के काल में उपस्थित होकर स्त्रियों के इर्द गिर्द घटनाओं को महसूस किया और कहानी को इतिहास के साथ पिरोते हुए लिखा है। फाउंडेशन की प्रो आशा शुक्ला ने कहा कि डॉ सिन्हा ने ऐतिहासिक और सामाजिक पक्षों को सोच समझकर लिखकर पाठकों को सौंप दी है। इसमें गम्भीर अध्ययन और विश्लेषण नजर आता है।

अखिल भारतीय लेखक परिषद की महामंत्री डॉ. साधना बलवटे ने कहा कि इतिहासकारों ने नालंदा को अपने हिसाब से बताया है। प्रथाओं में मनुष्य के लाभ हानि के गणित होते हैं। यह उपन्यास इतिहास को नवीन नजरिए से देखने की दृष्टि देता है। मप्र लेखिका संघ की पूर्व अध्यक्ष एवं साहित्यकार कुमकुम गुप्ता ने वैदिक युग काल में स्त्रियों की भूमिका पर प्रकाश डालते उपन्यास की महिला पात्रों के संघर्ष पर अपनी बात कही। युवा फिल्मकार सुदीप सोहनी के अनुसार कहानी वीभत्स रस से शांत रस की ओर इतिहास की दृष्टि से यात्रा करवाती है।

मुख्यमंत्री निवास में इंडो-फ्रेंच निवेश संवाद का आयोजन, सीएम बोले-

भारत-फ्रांस साझेदारी को नई उड़ान, मप्र में निवेश और विकास के खुलेंगे नए द्वार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में आयोजित एक दिवसीय इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के बाद मंगलवार शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन स्थित मुख्यमंत्री निवास में फ्रांस के राजदूत थियरी माथू और फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत किया। राउंड टेबल मीटिंग के दौरान मध्यप्रदेश में निवेश, उद्योग, तकनीक और कृषि आधारित क्षेत्रों में सहयोग को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों और उद्यमियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए पारदर्शी व्यवस्था, बेहतर कानून व्यवस्था, औद्योगिक शांति और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्य सरकार निवेशकों के साथ हर स्तर पर सहयोग करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के केंद्र में स्थित होने के कारण लॉजिस्टिक और व्यापारिक दृष्टि से सबसे उपयुक्त राज्य बनकर उभरा है।

फ्रांस देगा मध्यप्रदेश को अधिकतम सहयोग

फ्रांस के राजदूत थियरी माथू ने कहा कि मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी ग्लोबल समिट के पहले दोनों पक्षों के बीच कई नए सहयोगी प्रयास आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि फ्रांस तकनीक, स्वास्थ्य, ऊर्जा, अधोसंरचना और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को अधिकतम सहयोग देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत और फ्रांस के पुराने मित्रतापूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच वर्षों से विश्वास और सहयोग की मजबूत परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि पोखरण परमाणु परीक्षण के समय फ्रांस ने भारत का समर्थन किया था।

कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में आगे बढ़ाते हुए कृषि आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। उन्होंने सनोफी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बीच हुए समझौते को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। बैठक में पर्यटन, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और तकनीकी शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी निवेश संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मध्यप्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद : कश्यप

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश आज शांति, स्थिरता और औद्योगिक संभावनाओं का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने निवेशकों के लिए उद्योग अनुकूल नीतियां लागू की हैं, जिससे व्यापार और उद्योग के लिए भरोसेमंद वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के हृदय स्थल पर स्थित मध्यप्रदेश देश के प्रमुख बाजारों तक आसान पहुंच प्रदान करता है, जिससे लॉजिस्टिक्स और सप्लाई नेटवर्क अधिक सुगम और किफायती बनता है। मंत्री ने विश्वास जताया कि फ्रांस और मध्यप्रदेश की साझेदारी भविष्य में रोजगार, तकनीकी विकास और आर्थिक प्रगति के नए अवसर तैयार करेगी।

200 गाड़ियों के काफिले पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की नसीहत

फिजूलखर्ची से बचें कार्यकर्ता, सभी को करनी चाहिए ईंधन की बचत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील के बीच मध्यप्रदेश भाजपा में नेताओं के अलग-अलग अंदाज चर्चा का विषय बन गए। एक ओर पाठ्यपुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर 200 से अधिक वाहनों के काफिले के साथ भोपाल पहुंचे, तो वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह ई-रिक्शा से पदभार ग्रहण करने पहुंचे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील का पालन करने और ईंधन बचाने की नसीहत दी है।

खंडेलवाल ने कहा कि सभी को ईंधन की बचत करनी चाहिए और अनावश्यक उपयोग से बचना चाहिए। विशेष रूप से निगम-मंडलों के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को इस संदेश को अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल अपील नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता और हमारी जिम्मेदारी है। समाज और देशहित में हर छोटा प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

क्या है मामला?

दरअसल, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष बनाए जाने के बाद सौभाग्य सिंह ठाकुर समर्थकों के बड़े काफिले के साथ उज्जैन से भोपाल पहुंचे। बताया जा रहा है कि उनके साथ करीब 200 से अधिक वाहन शामिल थे। राजधानी पहुंचने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी की मौजूदगी में उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। लंबे काफिले की वजह से उज्जैन-भोपाल मार्ग सहित राजधानी भोपाल के कई इलाकों में यातायात प्रभावित रहा।

केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित किसान और आदिवासियों के साथ न्याय करे सरकार : जीतू

छतरपुर, दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड क्षेत्र में नदी जोड़ो योजना के तहत केन बेतवा लिंक परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के तहत बन रही जल संरचनाओं से कई गांवों और परिवार प्रभावित हो रहे हैं। इन प्रभावित परिवारों की समस्याओं के निपटारे के साथ कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार से समुचित मुआवजा सहित अन्य सुविधाएं देने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने मंगलवार को केन-बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत छतरपुर ढोढन बांध कार्यस्थल पर आंदोलनरत विस्थापित आदिवासी एवं किसान परिवारों से मुलाकात कर उनके संघर्ष को न्याय की लड़ाई बताया। पटवारी ने कहा कि विस्थापित परिवारों की यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, बल्कि उनके जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और सम्मान की लड़ाई है।

नहीं मिल रहा मुआवजा

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों को न्याय देने में विफल रही है और उन्हें उचित मुआवजा एवं पुनर्वास नहीं मिल पा रहा है। पटवारी ने कहा कि जब वे पीड़ित आदिवासियों से मिलने जा रहे थे, तब मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर भारी पुलिस बल तैनात कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने प्रशासन द्वारा दिए गए इस तर्क पर भी सवाल उठाया कि उनके जाने से बाघ, चीते और हाथी परेशान होंगे।

कलम का संघर्ष

देश के लाखों घरों में इन दिनों किताबें खुली हैं, लेकिन पन्नों पर शब्द नहीं, बेचैनी तैर रही है। जिन हाथों ने यह सोचकर कलम रख दी थी कि संघर्ष का सबसे कठिन पड़ाव पार हो चुका, उन्हें क्या पता था कि उनके कलम का संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है बल्कि उनकी नियति किसी के लालच की भेंट चढ़ चुकी है। नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने की खबर केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि उस भरोसे के टूटने की आवाज है जिस पर देश का युवा अपना भविष्य टिकाए बैठा था। मई की तपती दोपहर में जब परीक्षा केंद्रों से छात्र बाहर निकले थे, तब उनके चेहरों पर थकान जरूर थी, लेकिन आंखों में उम्मीद भी थी। किसी ने गांव की सीमित रोशनी में पढ़ाई की थी, किसी ने पिता के कर्ज और मां के त्याग को अपनी प्रेरणा बनाया था। छोटे कस्बों और दूरदराज के गांवों से निकलकर हजारों युवाओं ने डॉक्टर बनने का सपना अपनी पलकों पर सजाया था। लेकिन कुछ ही दिनों बाद खबर आई कि परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कहीं पेपर लीक की चर्चाएं, कहीं पैसों के खेल की फुसफुसाहटें और कहीं व्यवस्था की चुप्पी-इन सबने मेहनत की नींव को हिला दिया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा निरस्त कर दोबारा आयोजन का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। सवाल यह नहीं कि फैसला सही है या गलत। असली सवाल यह है कि आखिर हर बार कीमत केवल ईमानदार छात्र ही क्यों चुकाता है? जो बच्चे पूरी निष्ठा से रातें जागकर पढ़ते हैं, वही बार-बार अव्यवस्था के बोझ तले क्यों दबाए जाते हैं? यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं है। यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें मेहनत और प्रतिभा से पहले जुगाड़ और लापरवाही चर्चा का विषय बन जाते हैं। जब देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं की गोपनीयता सुरक्षित नहीं रह पाती, तब युवाओं के भीतर यह डर जन्म लेने लगता है कि क्या उनका भविष्य सचमुच उनकी मेहनत तय करेगी या किसी बंद कमरे में होने वाले सौदे? सबसे अधिक चिंता उन विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति को लेकर है जो पहले ही प्रतिस्पर्धा के भारी दबाव में जी रहे हैं। दोबारा परीक्षा का अर्थ केवल एक और प्रश्नपत्र नहीं होता, बल्कि फिर वही तनाव, वही अनिश्चितता और वही डर होता है। जिन परिवारों ने बच्चों की तैयारी के लिए अपनी जरूरतें टाल दीं, उनके लिए भी यह फैसला किसी नए संघर्ष से कम नहीं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत अंतर संचालन क्षमता को मिलती मजबूती

चार्वी अरोड़ा
अमेरिकी दूतावास

महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और व्यापारिक रास्तों से लेकर आपदा प्रतिक्रिया तक, हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के केंद्र में है। अमेरिका को इस विशाल क्षेत्र में सैन्य संचालन के लिए निरंतर तैयारी, मज़बूत समन्वय और टकराव वाले माहौल में तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता आवश्यक है।

पैसिफिक एयर फोर्सेस (पीएसीएएफ़) अमेरिकी वायु सेना की प्रमुख कमांड है जिसका मुख्यालय हवाई स्थित हिकम एयरफोर्स बेस है और यू.एस. इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसइंडोपैकम) का वायु घटक है। इसका मुख्य उद्देश्य हमले रोकना और स्वतंत्र तथा खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना है। यह मिशन 'शक्ति के माध्यम से शांति' की रणनीति के जरिए पूरा किया जाता है, जो विश्वसनीय, युद्ध के लिए तैयार वायु शक्ति और मजबूत गठबंधनों व साझेदारियों पर आधारित है। इन प्रयासों में भारत महत्वपूर्ण भागीदार है क्योंकि अमेरिका और भारत सैन्य अभ्यासों, योजना और ऑपरेशन समन्वय के माध्यम से सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। द्विपक्षीय रक्षा व्यापार और भारत के साथ संयुक्त प्रशिक्षण ने इस बढ़ती अंतर-संचालनता में सीधे योगदान दिया है। पीएसीएएफ़ के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर बताते हैं कि 'भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा व्यापार में वृद्धि के साथ इंटर ऑपरेबिलिटी भी बढ़ी है और हमारी साझेदारी का महत्व लगातार बढ़ रहा है, विशेषकर तब जब हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक जटिल और गतिशील सुरक्षा वातावरण का सामना कर रहे हैं।

जैसे-जैसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र बहुआयामी भू-राजनीतिक वातावरण का सामना कर रहा है, विवादित क्षेत्रों में कमांड एवं नियंत्रण तथा लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना प्राथमिकता बन गया है। इसे संबोधित करने के लिए परिचालन दृष्टिकोण को एजाइल कॉम्बैट एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से अनुकूलित किया जा रहा है, जो बलों के विकेंद्रीकरण, अस्तित्व बचाए रखने की क्षमता बढ़ाने और लंबी दूरी पर संचालन गति बनाए रखने पर केंद्रित है। इसमें सामग्री को पहले से तैनात करना और छोटे, बिखरे हुए स्थानों के नेटवर्क से संचालन करना शामिल है, ताकि गति और पैमाने पर संचालन संभव हो सके। भारतीय वायुसेना जैसे साझेदारों के साथ जुड़ाव इस अनुकूलनशील दृष्टिकोण का समर्थन करता है, जिसमें मजबूत साझेदार एकीकरण, अधिक जानकारी साझा करना और इंटर ऑपरेबिलिटी का परीक्षण शामिल है। अभ्यासों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे युद्ध और संकट प्रतिक्रिया की अवधारणाओं को सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर परखें, सुधारें और उन्हें एक एकीकृत बल के रूप में संचालित होने में सक्षम बनाएं। यह संबंध वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। श्नाइडर कहते हैं, 'साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बुनियादी समन्वय से विकसित होकर जटिल परिस्थितियों में उच्च स्तरीय इंटरऑपरेबिलिटी तक पहुंच गई है। गतिशीलता और त्वरित अनुकूलन का यह दृष्टिकोण हाल ही में बड़े पैमाने के रेजोल्यूट फोर्स पैसिफिक (रेफोरपैक) अभ्यास में परखा गया, जिसमें 400 से अधिक विमान और 12,000 से अधिक कर्मियों ने 50 स्थानों पर भाग लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संचालन की क्षमता का प्रदर्शन किया। इसी तरह, भारत के साथ टाइगर ट्रायम्फ जैसे सहयोगी अभ्यास विशेष रूप से लॉजिस्टिक्स, मानवीय सहायता और कठिन परिस्थितियों में आपदा राहत के लिए संयुक्त क्षमताओं के विकास पर केंद्रित हैं।

साइबर और अंतरिक्ष का समन्वय: वायु संचालन अब तेजी से साइबर और अंतरिक्ष क्षमताओं से जुड़ रहे हैं। अमेरिका सहयोगियों और साझेदारों के साथ प्रशिक्षण, अभ्यास और योजना के माध्यम से इन क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों का सामना करते हुए संचालन एकीकरण को गहरा कर रहा है। सभी साझेदारियों में लक्ष्य निर्बाध संचालन हासिल करना है। यह महत्वाकांक्षा व्यापक अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी को दर्शाती है, जिसमें सूचना साझाकरण, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और इन महत्वपूर्ण नए क्षेत्रों में गहरा सहयोग शामिल है।

त्वरित प्रतिक्रिया: रणनीतिक वायु गतिशीलता हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विशाल विस्तार में सुरक्षा संचालन और मानवीय प्रतिक्रिया दोनों के समर्थन के लिए केंद्रीय बनी हुई है। हाल के अभ्यासों में सिद्ध हुआ है कि सैकड़ों विमानों और हजारों कर्मियों की तैनाती की क्षमता त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आगे की दिशा: यह दृष्टिकोण इस मान्यता को भी दर्शाता है कि सहयोगियों और साझेदारों का नेटवर्क अमेरिका की सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्तियों में से एक है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है। क्वाड (जिसमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं) महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ऐसे सहयोग के लिए प्रमुख तंत्र के रूप में कार्य करता है, जिससे भारत जैसे साझेदार विकसित होते संचालन परिदृश्य में एकीकृत हो सकें।

आगे देखते हुए, सबसे बड़े अवसर रणनीतिक साझेदारियों को और मजबूत करने में निहित हैं, ताकि द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समूहों जैसे क्वाड के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सके। भविष्य का सहयोग उभरते क्षेत्रों, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित रहने की उम्मीद है क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक समन्वय लगातार मजबूत हो रहा है। श्नाइडर कहते हैं, 'एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की नींव हमारे रणनीतिक संबंधों की मजबूती पर टिकी है। भारत में, हमारे पास एक ऐसा साझेदार है जिसके साझा मूल्य और दृष्टिकोण क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे संयुक्त संकल्प को सुनिश्चित करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बच्चों का जीवन बचाने समाज में हर स्तर पर करना होगा अतिरिक्त श्रम

डॉ. निवेदिता शर्मा
मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष

देश में बढ़ती छात्र आत्महत्याएं हमारे सामने वर्तमान दौर की उस सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था का आईना है, जिसमें बचपन धीरे-धीरे दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के नीचे दम तोड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। यह संख्या वर्ष 2023 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि एक ओर देश में कुल आत्महत्या के मामलों में गिरावट दर्ज हुई है, वहीं छात्रों की आत्महत्या लगातार बढ़ती हुई दिखाई देती है। ऐसे में यह स्थिति स्पष्ट संकेत दे रही है कि हमारे बच्चे शिक्षा के अतिरिक्त बोझ के नीचे मानसिक रूप से टूट रहे हैं।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में बड़ी संख्या कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों की है। यह वह आयु है, जब बच्चों को सबसे अधिक भावनात्मक सहारे, संवाद और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, किंतु दुर्भाग्य से इस दौर में उन पर करियर चुनने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और 'सफल' बनने का भारी दबाव डाल दिया जाता है।

वर्ष 2015 में छात्र आत्महत्या के 8,934 मामले थे, जो 2024 में बढ़कर 14,488 हो गए। यानी एक दशक में 62 प्रतिशत से अधिक वृद्धि का होना निश्चित ही हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय होना चाहिए! क्योंकि सामने आए साक्ष्य के आधार पर स्पष्ट होता है कि प्रतिदिन औसतन लगभग 35 छात्र अपनी जीवन यात्रा को समाप्त कर रहे हैं। यहां विचार करनेवाली बात यह भी है कि क्या यह अकेले बच्चों की असफलता है? या समाज, परिवार और शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है?

आज शिक्षा का अर्थ ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास न होकर ऐसा लगता है, जैसे कि प्रतियोगिता, रैंक, पैकेज और प्रतिष्ठा का पर्याय बन चुका है। बच्चों के कंधों पर इतना भारी बोझ डाल दिया गया है कि वे अपनी उम्र के सहज आनंद, खेल, जिज्ञासा और रचनात्मकता से दूर होते जा रहे हैं। विद्यालयों के बाद कोचिंग संस्थानों का दबाव, परीक्षा का भय, करियर की अनिश्चितता और अभिभावकों की अपेक्षाएं मिलकर बच्चों को मानसिक रूप से थका रही हैं।

बच्चों के सामने भावनात्मक अकेलेपन का संकट भी उभरकर सामने आया है। यही कारण है कि अनेक छात्र अवसाद, चिंता, बाइपोलर डिसऑर्डर और भावनात्मक तनाव से जूझ रहे हैं, किंतु दुखद है कि समय रहते उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान तक नहीं हो पाती है! यदि बच्चा उदास है, चिड़चिड़ा है या अकेला रहने लगा है, तो इसे 'जिद' या 'कमजोरी' मान लिया जाता है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। दूसरी ओर सच यह भी है कि बच्चा सबसे अधिक भय 'असफल' कहलाने से महसूस करता है। उसे यह समझाया ही नहीं जाता कि जीवन में सफलता के अनेक रास्ते होते हैं। विद्यालयों और घरों में बच्चों को बार-बार तुलना का सामना करना पड़ता है। धीरे-धीरे बच्चा स्वयं को अंक और उपलब्धियों से मापने लगता है। जब अपेक्षाओं और वास्तविकता के बीच दूरी बढ़ती है, तब वह भीतर से टूटने लगता है।

ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि अभिभावक सबसे पहले यह समझें कि हर बच्चा अलग होता है। सभी बच्चों की क्षमता, रुचि और गति समान नहीं हो सकती। सफलता का अर्थ मेडिकल, इंजीनियरिंग या प्रशासनिक सेवा नहीं है। यदि बच्चा संगीत, खेल, कला, लेखन, डिजाइन, कृषि या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि रखता है, तो उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। अतः आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक बच्चों के साथ समय बिताएं। सिर्फ स्कूल की फीस भर देना या अच्छे कोचिंग संस्थान में भेज देने से उनकी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती है। बच्चों को सबसे अधिक जरूरत अपने माता-पिता के विश्वास, संवाद और भावनात्मक सहारे की होती है। यदि बच्चा डर, तनाव या असफलता की बात कह रहा है, तो उसे डांटने के बजाय सुने।

विद्यालयों और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माना कि विद्यालय पढ़ाई का केंद्र है, किंतु यह भी सच है कि बच्चों के भावनात्मक विकास का भी वह एक स्थान है, इसलिए यह जरूरी है कि हर विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाए कि वे बच्चों में तनाव और अवसाद के शुरुआती संकेत पहचान सकें। अनुशासन और परिणाम पर ध्यान देने के बजाय बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें।

इसके साथ ही समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। आज समाज को यह स्वीकार करना होगा कि बच्चों की जिंदगी किसी परीक्षा या प्रतिशत से कहीं अधिक मूल्यवान है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि बच्चों को यह एहसास दिलाया जाए कि उनका जीवन किसी भी परीक्षा से बड़ा है। असफलता अंत नहीं होती। हार जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। कुल मिलाकर शिक्षा के अतिरिक्त बोझ से बच्चों को बाहर निकालने का अतिरिक्त श्रम स्कूल, अभिभावक, शिक्षक, समाज और व्यवस्था सभी को मिलकर आज करने की आवश्यकता है। तभी बच्चे किसी भी प्रकार के डर से बाहर निकल पाएंगे और एक नए आत्म-विश्वास में जी सकेंगे। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में आंकड़े और भयावह हो सकते हैं। उम्मीद है, हम सभी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के सामने आए इन आंकड़ों पर गंभीर विचार अवश्य करेंगे और समाधान की दिशा में आगे आएंगे। कोई भी बच्चा आत्म-हत्या जैसा कदम न उठाए, हमारे सामूहिक प्रयास इसी दिशा में होने चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

कूलर के गंदे पैड से होने वाला प्रदूषण भी बन सकता है बीमारी का कारण

गर्मियों में एयर कूलर का काफी इस्तेमाल किया जाता है। क्योंकि ना सिर्फ यह गर्मी से राहत देता है, बल्कि जेब पर भी हल्का बैठता है। लेकिन डॉक्टर होने के नाते मेरा ध्यान इसके पैड पर बराबर रहता है, जिसे आम बोलचाल में कूलर के पर्दे भी कहते हैं। अगर कूलर पैड को सही टाइम पर साफ या बदला ना जाए तो ये घर के अंदर इंडोर एयर पॉल्यूशन और रेस्पिरेटरी हेल्थ प्रोब्लम्स कर सकते हैं। बता दें कि इंडोर एयर पॉल्यूशन बाहर के हैवी पॉल्यूशन या पानी के प्रदूषण की तरह साफ-साफ दिखाई नहीं देता। पल्मोनोलॉजिस्ट के मुताबिक, कूलर पैड के रखरखाव का ध्यान ना रखने पर धूल-मिट्टी, नमी, फंगस, बैक्टीरिया उसके अंदर फंस सकते हैं और घर के अंदर दूषित हवा का संचार हो सकता है।

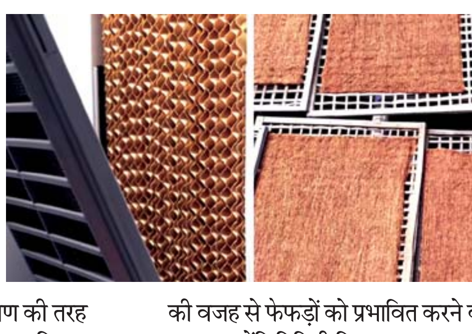

कुछ लोगों को कूलर की नमी में फंगल ग्रोथ होने की वजह से फेफड़ों को प्रभावित करने वाली एलर्जिक ब्रोंकाइटिस या हाइपरसेंसिटिविटी रिएक्शन का सामना भी करना पड़ता है। अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), एलर्जिक राइनाइटिस या कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों को इन दिक्कतों का खतरा अधिक होता है, क्योंकि उनकी सांस की नली पहले से संवेदनशील होती है। बच्चे और बुजुर्गों को भी इनका खतरा ज्यादा रहता है, क्योंकि वो हवा से फैलने वाले इरिटेंट और इंफेक्शन के संपर्क में आसानी से आ जाते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी के मौसम में अस्थमा का फ्लेयर अप (लक्षण परेशान करना) घर के अंदर के वातावरण से काफी जुड़ा होता है। गंदे कूलर से धूल-मिट्टी के कण, फंगल स्पोर्स और नमीदार हवा की वजह से सांस की नली में दिक्कत आ सकती है और अस्थमा के मरीजों में इंफ्लामेशन बढ़ सकती है। ऐसे में कूलर का सही रखरखाव व सफाई बहुत जरूरी है। पानी को इकट्ठा होने से रोकने के लिए कूलर टैंक को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। पैड्स को सही समय पर साफ करना चाहिए और हर सीजन में बदल देना चाहिए। कमरे में वेंटिलेशन का सही होना भी जरूरी है, क्योंकि ज्यादा ह्यूमिडिटी से मोल्ड ग्रोथ हो सकती है।

सफाई के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल ना होने पर कूलर को सुखाकर रखें। अस्थमा या क्रॉनिक रेस्पिरेटरी बीमारी के मरीजों को कूलर की सफाई के प्रति ज्यादा सावधान रहना चाहिए। मैंने देखा है कि अधिकतर लोग केवल कूलर की कूलिंग पर ध्यान देते हैं, लेकिन रेस्पिरेटरी हेल्थ के लिए उसे साफ रखना भी बहुत जरूरी है।

निशाना

रूप बदलते किरदार यहाँ..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

कोई है कलाकार यहां,
कोई नाटककार यहां,
इंसानो में हमने देखे,
रूप बदलते किरदार यहां।
कोई है लाचार यहां,
कोई है बीमार यहां,
कठिन समय में हमने देखे,
अपने ही गद्दार यहां।
लोभ मूसलाधार यहां,
झूठ का कारोबार यहां,
बेईमानी का हमने देखा,
जगह -जगह भंडार यहां।
गिरगिट है सियार यहां,
कई ऊंट सवार यहां,
राजनीति में हमने देखे,
भूखे है किरदार यहां।।
दिल के है दिलदार यहां,
सच्चे पहरेदार यहां,
देश की रक्षा की खातिर,
वे खाते गोली यार यहां।

गेजेट्स अपडेट

सोनी का गर्दन पर लटकने वाला कूलर, एक बार चार्ज होकर 10 घंटे तक रखेगा कूल

ऐसा कोई कूलर होता, जिसे हम हमेशा अपने साथ लेकर या पहनकर घूम सकते। भीषण गर्मी में यह बात ज्यादातर लोगों के मन में आती है। सोनी ने इसका समाधान निकाल दिया है। कंपनी 'Reon Pocket Pro Plus' कूलर लेकर आई है। यह दूसरे गैजेट्स के मुकाबले थोड़ा अलग है। यह एक पहनने वाला एयर कूलर है, जिसे आप अपनी गर्दन में लटका सकते हैं। यह आपके शरीर को ठंडा करने का काम करता है, ताकि आस-पास का तापमान ज्यादा होने पर भी आपको थोड़ी ठंडक महसूस हो सके। यह पिछले साल आए प्रो मॉडल का अपग्रेडेड वर्जन है। इसका उद्देश्य बेहतर कूलिंग परफॉर्मेंस के साथ नया डिजाइन है। कंपनी ने 2019 में पहली बार यह प्रोडक्ट पेश किया गया था। लेकिन, Sony ने अभी तक भारत में इनमें से कोई भी गैजेट बेचना शुरू नहीं किया है। हालांकि, यह देश के गर्म शहरों के लिए काफी काम का साबित हो सकता है।

सोनी का यह नया पहनने वाला कूलर, शरीर को ठंडा करने के लिए 'Peltier effect' नाम की एक तकनीक का इस्तेमाल करता है। इस डिवाइस में एक मेटल कूलिंग प्लेट लगी होती है, जो यूजर की गर्दन के पिछले हिस्से से सटी रहती है। बिजली की मदद से यह प्लेट ठंडी हो जाती है, जिससे शरीर का तापमान सीधे तौर पर कम करने में मदद मिलती है। आसान शब्दों में कहें तो, यह डिवाइस एक छोटे इलेक्ट्रॉनिक आइस पैक की तरह काम करता है, जो SB-C पोर्ट से चार्ज होता है।

गर्दन पर ही क्यों पहना जाता है: दरअसल, गर्दन का हिस्सा शरीर के तापमान को कंट्रोल करने में मदद करता है। क्योंकि यहां त्वचा के ठीक नीचे खून की नसें होती हैं। इसलिए, गर्दन को ठंडा करने से पूरे शरीर में ठंडक महसूस होती है। यही वजह है कि आपने अक्सर एथलीट्स को अपनी गर्दन के चारों ओर कूलिंग टॉवल लपेटे हुए देखा होगा। कंपनी का कहना है कि नया Reon Pocket Pro Plus पिछले मॉडल के मुकाबले 20 प्रतिशत बेहतर कूलिंग परफॉर्मेंस देता है। इसके साथ ही, यह त्वचा के तापमान को दो डिग्री सेल्सियस तक और भी कम कर देता है।

सिंगल चार्ज पर चलेगा 10 घंटे: इसमें एक नया 'एग्जॉस्ट वेंट' भी दिया गया है। यह शरीर से निकलने वाली गर्म हवा को दूर धकेलता है। इसमें लगा एक छोटा पंखा कूलिंग वाले हिस्से के आस-पास हवा का बहाव बनाए रखने में मदद करता है। यूजर्स एक ऐप के जरिए भी इस वियरेबल को कंट्रोल कर सकते हैं। हालांकि, यह डिवाइस अपने आप भी काम कर सकता है। Sony का दावा है कि यह वियरेबल कूलर अपनी दूसरी सबसे ऊंची कूलिंग सेटिंग पर 10 घंटे तक चल सकता है। Reon Pocket Pro Plus अभी सिर्फ K और यूरोपीय बाजारों में उपलब्ध है। इसकी कीमत UK में 199 पाउंड (लगभग 25,000 रुपये) है। इसे भारत समेत अन्य देशों में कब लॉन्च किया जाएगा, इसकी जानकारी अभी नहीं है।

बिग डील

5 मंजिल, 21 कमरे और समंदर का नजारा 5291 करोड़ में बिका आलीशान पेंटहाउस

दुनिया भर के अमीरों की पहली पसंद माने जाने वाले मोनाको ने एक बार फिर रियल एस्टेट की दुनिया में हलचल मचा दी है। यूरोप के इस छोटे से देश में दुनिया के सबसे महंगे अपार्टमेंट की डील फाइनल हुई है, जिसकी कीमत सुनकर किसी के भी होश उड़ सकते हैं। मोनाको के बेहद पॉश इलाके में स्थित 'ले रेंजो' बिल्डिंग के एक पेंटहाउस को 5291 करोड़ रुपए से ज्यादा (471 मिलियन यूरो यानी लगभग 554 मिलियन डॉलर) में खरीदा गया है। इस सौदे ने न केवल मोनाको, बल्कि पूरी दुनिया में आवासीय संपत्ति की बिक्री के पिछले सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। यह पेंटहाउस कोई साधारण घर नहीं है, बल्कि यह विलासिता और आधुनिक इंजीनियरिंग का एक बेजोड़ संगम है।

यह अपार्टमेंट इमारत की सबसे ऊपरी पांच मंजिलों में फैला हुआ है, जिसका कुल क्षेत्रफल 26,900 वर्ग फुट से अधिक है। समंदर के किनारे स्थित होने के कारण यहां से भूमध्य सागर का ऐसा नजारा दिखता है जो शायद ही दुनिया के किसी और कोने में मिले। एमेनिटिज की बात करें तो इस पेंटहाउस में कुल 21 कमरे हैं, जिनमें रहने वाले सदस्यों और मेहमानों के लिए हर तरह की आधुनिक सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। इसमें 8 निजी पार्किंग स्पेस, कई बड़ी छतें, एक निजी स्विमिंग पूल और जकूजी शामिल है। इसके अलावा, घर को दुनिया के बेहतरीन फर्नीचर और अत्याधुनिक होम ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी से लैस किया गया है, जिससे घर की हर चीज एक क्लिक पर नियंत्रित की जा सकती है। यह पेंटहाउस एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के ऊपर स्थित पांच मंजिला महल जैसा अहसास कराता है।

किसने खरीदा ये अपार्टमेंट?: इस लग्जरी पेंटहाउस को खरीदने वाले शख्स का नाम रिनात अख्मेतोव है। रिनाव यूक्रेन के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी कंपनी का नाम 'सिस्टम कैपिटल मैनेजमेंट' (SCM) है। बता दें कि इस अपार्टमेंट की इतनी अधिक कीमत होने के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। वेटिकन सिटी के बाद मोनाको दुनिया का दूसरा सबसे छोटा संप्रभु देश है, जहां जमीन की भारी कमी है। यहां रियल एस्टेट की कीमतें दुनिया में सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। पिछले साल के आंकड़ों के अनुसार, यहां एक वर्ग मीटर की अनुमानित कीमत ही 70,000 यूरो (लगभग 79 लाख रुपए) को पार कर गई थी। साथ ही, 'ले रेंजो' बिल्डिंग दशकों बाद मोनाको की स्काईलाइन में जुड़ने वाली पहली नई और अनूठी इमारत है, जिसने इसकी वैल्यू को और भी बढ़ा दिया है। इतनी बड़ी कीमत पर एक अपार्टमेंट का बिकना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि 'अल्ट्रा-लक्जरी' रियल एस्टेट मार्केट में मंदी का कोई असर नहीं है। अमीर लोग अब केवल घर नहीं, बल्कि एक अनूठी लाइफस्टाइल और सुरक्षा के लिए मोटी रकम खर्च करने को तैयार हैं।

कागजों पर तालाब, जमीन पर सिर्फ धूल, औबेदुल्लागंज जनपद की 71 पंचायतों में 'खेत तालाब' के नाम पर करोड़ों की बंदरबांट

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

सरकार किसानों की किस्मत बदलने और जल स्तर सुधारने के लिए खेत तालाब और कपिलधारा कूप जैसी योजनाएं चला रही है, लेकिन औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार के दीमकों ने इन योजनाओं को ही लील लिया है। ताजा खुलासा बताता है कि क्षेत्र की 71 ग्राम पंचायतों में बने लगभग 300 खेत तालाबों के निर्माण में जमकर धांधली की गई है। आलम यह है कि कागजों पर तालाब लबालब हैं, लेकिन हकीकत में वहां सिर्फ सूखी मिट्टी और भ्रष्टाचार के गड्ढे नजर आ रहे हैं।

औबेदुल्लागंज की पंचायतों में भी शातिर तरीके से सरकारी धन की निकासी की गई। वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले ही इंजीनियरों ने एसी कमरों में बैठकर मूल्यांकन कर दिया और रोजगार सहायकों व सचिवों की जुगलबंदी से लाखों रुपये आहरित कर लिए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो आनन-फानन में मशीनों से आधी-अधूरी खुदाई कर लीपापोती की जा रही है। भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा इस सूची से लगाया जा सकता है जहाँ खेत तालाब, कपिलधारा कूप और मां के नाम एक बगिया योजना के नाम पर शासकीय बजट को ठिकाने लगाया गया।

ये ग्राम पंचायतें भी हैं शामिल

1 ग्राम पंचायत कीरत नगर
2 ग्राम पंचायत आशापुरी
3 ग्राम पंचायत नयापुरा सोडरपुर
4 ग्राम पंचायत खूकरिया
5 ग्राम पंचायत ताड़ी
6 ग्राम पंचायत खसरोद
7 ग्राम पंचायत बीलखेड़ी
8 ग्राम पंचायत तामोट
9 ग्राम पंचायत बरबटपुर
10 ग्राम पंचायत चिकलोद
11 ग्राम पंचायत कामतोंनकाँसिया
12 ग्राम पंचायत बोरपानी
13 ग्राम पंचायत दिवटिया
14 ग्राम पंचायत गौतमपुर कॉलोनी
15 ग्राम पंचायत बड़वाई
16 ग्राम पंचायत अम्बाई
17 ग्राम पंचायत बिनेका

इंजीनियर और रोजगार सहायकों की भूमिका संदिग्ध

बिना काम पूरा हुए मूल्यांकन रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई क्या जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर जाकर मुआयना किया? ये वो सवाल हैं जो सीधे तौर पर जनपद इंजीनियर और पंचायत अमले को कठघरे में खड़ा करते हैं। वीडियो साक्ष्य चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि तालाबों के नाम पर सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई है। जनपद पंचायत सीईओ निखिलेश कटारे ने बताया कि आपके द्वारा बताए गए अनुसार जिन ग्राम पंचायतों में खेत तलाब जैसी महत्वपूर्ण शासकीय योजनाओं के अंतर्गत अनियमिताएं की गई हैं। उन ग्राम पंचायत की जांच हेतु तीन सदस्य जांच दल बनाकर जांच करवा लेते हैं !अगर अनियमितताएं पाई जाती है !तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

राज्य स्तरीय जांच की मांग

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और किसानों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। मांग की जा रही है कि केवल जिला स्तर ही नहीं, बल्कि राज्य स्तरीय टीम से इन 300 तालाबों और कूपों की जांच कराई जाए। दोषियों से सरकारी पैसे की वसूली हो और भ्रष्टाचार के इस सिंडिकेट को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए। जब खेत का पानी खेत में ही नहीं रुकेगा, तो किसान की आय कैसे बढ़ेगी? यह केवल धन का भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि किसानों के हक और भविष्य के साथ किया गया क्रूर मजाक है।

सूने घर में हुई लाखों की चोरी का खुलासा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर थाना पुलिस ने लड्डा एजेंसी वाली गली में हुई बहुचर्चित चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर करीब 20 लाख का मशरूका बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 100 ग्राम सोने के जेवर, 875 ग्राम चांदी, नगदी, टैबलेट और मोटरसाइकिल जप्त की है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को फरियादी संतोष शर्मा ने थाना शहर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके मौसी के लड़के अभिषेक शर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 06 लड्डा एजेंसी वाली गली परिवार सहित शादी में शामिल होने ललितपुर गए थे। वापस लौटने पर घर के ताले टूटे मिले और अंदर रखा सोने-चांदी का सामान एवं नगदी गायब थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे व एसडीओपी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से तकनीकी विश्लेषण करते हुए करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की जांच की। लगातार प्रयासों के बाद आरोपी अन्नू उर्फ अंकित उर्फ अनिकेश निवासी विदिशा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने अपने साथी गोलू उर्फ उमेश के साथ चोरी करना स्वीकार किया।

प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में 17 मई से 15 जून तक मनाया जाएगा पुरूषोत्तम मास महोत्सव

पहले दिन नवसंवत्वर, 24 मई को रामनवमी, 8 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और 14 जून को होगा दीपावली उत्सव

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में पुरूषोत्तम मास महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। 17 मई से 15 जून के बीच आयाजित महोत्सव में वर्ष भर के त्योहार सरकार के दरबार में मनाए जाएंगे। शहर के मध्य में स्थित मदनमोहन सरकार के दरबार में अधिमास के दौरान अनेक आयोजन किए जाते हैं। इस बार ज्येष्ठ माह में पुरूषोत्तम मास रहेगा। इस माह में होने वाले कार्यक्रमों लेकर सरकार के सेवक नवनीत महाराज ने योजना प्रसारित की है। इसके अनुसार शुक्ल पक्ष में 17 मई को नवसंत्वसर उत्सव के साथ माह की शुरूआत होगी। 18 मई को श्रृंगार दर्शन के बाद 19 मई को झूला उत्सव के दिन महामंत्र कीर्तन होगा। इसके बाद 20 से 22 मई तक प्रतिदिन श्रृंगार दर्शन के बाद 23 मई को राधा अष्टमी पर्व मनाया जाएगा। 24 मई को राम नवमी, 25 को श्रृंगार दर्शन और 26 मई को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। 27 मई को पदमा एकादशी, 28 को वामन द्वादशी के बाद 29 और 30 मई को श्रृंगार दर्शन होंगे। शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन 31 मई को महामंत्र कीर्तन के साथ शरद पूर्णिमा उत्सव का आयोजन सरकार के दरबार में होगा।

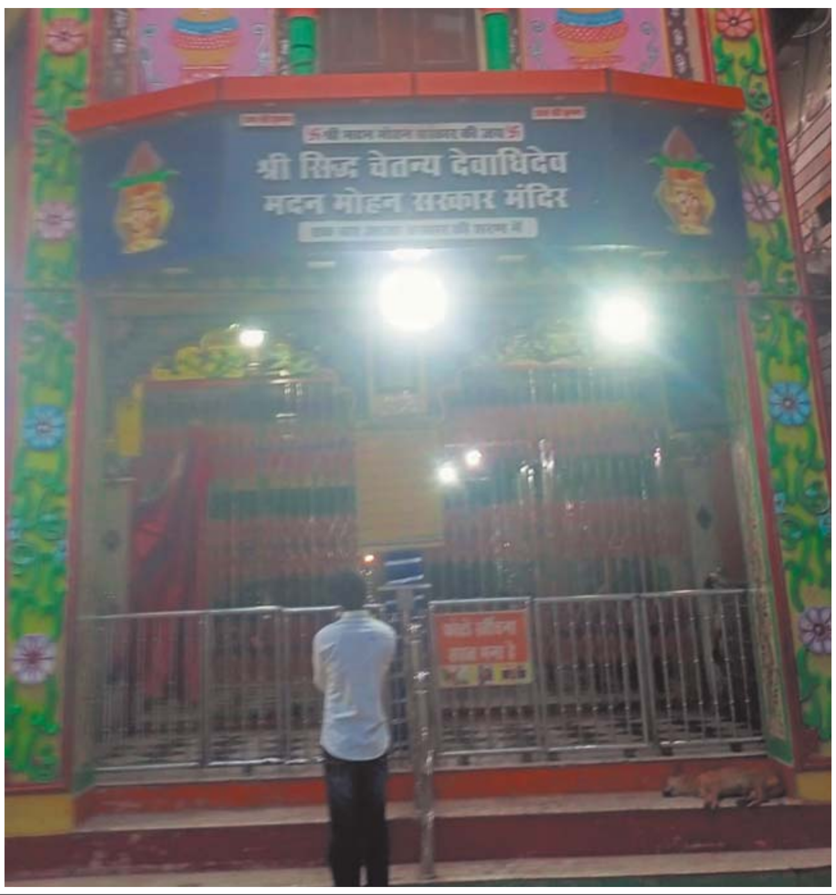

कृष्ण पक्ष में भी होंगे अनेक आयोजन

पुरूषोत्तम मास में 1 जून से कृष्ण पक्ष का आरंभ होगा। 2 और 3 जून को श्रृंगार दर्शन के बाद 4 जून को फूल डोल उत्सव मनाया जाएगा। 5 और 6 जून के बाद 7 जून को बधाई उत्सव होगा। 8 जून को सरकार के दरबार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य आयोजन और 9 जून को ग्वाल चबैनी का वितरण होगा। 10 जून को श्रृंगार दर्शन और 11 जून को पुरूषोत्तम एकादशी पर्व मनाया जाएगा। 12 और 13 जून को श्रृंगार दर्शन के बाद 14 जून को दीपावली पर्व तथा 15 जून को अन्नकूट उत्सव के साथ महोत्सव का समापन होगा। महीने भर चलने वाले आयोजनों के क्रम में प्रतिदिन सुबह 7 बजे मंगला आरती का आयोजन होगा। वहीं 7.30 बजे पुरूषोत्तम मास की कथा का वाचन सरकार के सेवक नवनीत महाराज द्वारा किया जाएगा।

22 अनफिट वाहनों से वसूला 46 हजार जुर्माना

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों के सख्ती से पालन को लेकर विदिशा-अशोकनगर रोड स्थित गुरोद चौराहे पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अनफिट और नियमों का उल्लंघन करने वाले 22 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए करीब 46 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई जेएमएफसी सुश्री सृष्टि कुशवाह के निर्देशन में संपन्न हुई। जांच अभियान के दौरान पुलिस एवं न्यायालयीन टीम ने मार्ग से गुजर रहे वाहनों को रोककर उनके फिटनेस प्रमाण पत्र, रजिस्ट्रेशन, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच में कई वाहन अनफिट पाए गए, जबकि कुछ वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते मिले। इसके बाद संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि वाहन की फिटनेस समय पर कराना और यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। अनफिट वाहन न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों

की जान के लिए भी खतरा बनते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। कार्रवाई के दौरान न्यायालयीन स्टाफ राहुल झा, गजराज कश्यप, शोएब खान एवं जितेंद्र भगोरिया मौजूद रहे। वहीं पुलिस टीम में एसआई शालिग्राम प्रजापति, एएसआई महेश कुशवाह, प्रधान आरक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षक विशाल पटवा, सत्यवीर मीणा, श्याम कुशवाह तथा चालक प्रमोद मौजूद रहे।

परिवहन, स्टेकिंग और तुलाई कार्य में गति लाएं: कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इटारसी क्षेत्र के गेहूं उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निमसाड़िया समिति द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र गोविंद वेयरहाउस ब्यावरा एवं नमामि स्वसहायता समूह द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र एचएल वेयरहाउस पहुंचकर उपार्जन कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने दोनों केंद्रों पर कार्यरत खरीदी प्रभारियों को निर्देश दिए कि खरीदे गए गेहूं स्कंध के परिवहन कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि केंद्रों पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध रहे और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि केंद्र पर पहुंच रहे किसानों की उपज का शीघ्रता से उपार्जन सुनिश्चित किया जाए तथा सूर्यास्त तक तुलाई कार्य निरंतर जारी रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम स्तरीय केंद्रों पर स्टेकिंग कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तुलाई के उपरांत समिति द्वारा व्यवस्थित स्टेकिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही गोदाम में स्थान कम होने

पर परिसर में तुलाई की समुचित व्यवस्था करने के लिए छांव एवं कांटों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने खरीदे गए स्कंध के नियमित एफसीआई को परिवहन के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि केवल एफएक्यू गुणवत्ता वाले गेहूं की ही खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि गुणवत्ता मानकों का पालन हो सके। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी, जिला प्रबंधक मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग वासुदेव दवांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | गुरुकुल परंपरा का हो रहा सजीव अनुभव

संस्कृतमय हुआ नगर, हर श्वांस में गूंज रही देववाणी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ऋषियों की तपस्या, वेदों की वाणी और भारतीय संस्कृति की आत्मा कही जाने वाली देववाणी संस्कृत इन दिनों नगर में सजीव होती दिखाई दे रही है। लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में चल रहे नौ दिवसीय आवासीय प्रांतीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग में ऐसा वातावरण निर्मित हो गया है, जहां हर शब्द में संस्कार, हर स्वर में संस्कृति और हर गतिविधि में भारतीयता की झलक महसूस हो रही है। सुबह प्रार्थना और योग से लेकर रात्रि के सांस्कृतिक कार्यक्रम तक पूरा दिन संस्कृतमय वातावरण में बीत रहा है, मानो प्राचीन गुरुकुल परंपरा पुनः जीवंत हो उठी हो। संस्कृत भारती द्वारा आयोजित यह वर्ग 15 मई तक संचालित होगा, जिसमें मध्यभारत प्रांत के 14 जिलों से आए 97 प्रतिभागी संस्कृत संभाषण और भारतीय संस्कृति का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर के पांचवें दिन तक पहुंचते-पहुंचते पूरा परिसर पूर्णतः संस्कृतमय हो चुका है। यहां सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उत्तिष्ठत जाग्रत की स्वर

लहरियों के साथ दिन की शुरुआत होती है और रात्रि विश्राम तक संस्कृत संभाषण वातावरण को संस्कारित करता रहता है। शिविर में योग, प्रार्थना, संभाषण, गीत, नाटिका और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागी केवल संस्कृत सीख नहीं रहे, बल्कि उसे अपने जीवन में उतार भी रहे हैं। भोजन, परिचय, अभ्यास, हास्य, अनुशासन और आत्मीयता तक हर गतिविधि संस्कृत भाषा में संचालित हो रही है। संस्कृत भारती के जिला प्रशिक्षण प्रमुख भूपेंद्र सेन ने बताया कि यहां कथम् अस्ति, भवतः नाम किम्, भोजनं कृतवान् जैसे सामान्य संवाद भी आत्मीयता का माध्यम बन गए हैं। संस्कृत भारती के प्रांत संगठन मंत्री डॉ. जागेश्वर पटले शिविर के शुभारंभ दिवस से ही प्रतिभागियों के बीच मौजूद हैं और समापन तक मार्गदर्शन देंगे। संत-महात्माओं एवं प्रबुद्धजनों के सान्निध्य में चल रहा यह शिविर अब भाषा प्रशिक्षण से आगे बढ़कर भारतीय संस्कृति और संस्कारों के पुनर्जागरण का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। शिविर की विशेषता यह भी है कि यहां 12 वर्ष के बालक से लेकर 85 वर्ष तक के संस्कृत प्रेमी एक साथ संस्कृत साधना में जुटे हुए हैं। मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी शिविर की अलग पहचान बन गई है।

न्यूज विंडो

वृद्ध महिला को सांप ने डसा डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

तेंदूखेड़ा। तारादेही थाना के अंतर्गत रतन रानी यादव पति वीरान यादव 60 वर्ष खोपा देवरी रहने वाली है। सांप के डस ने से मौत का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा यह घटना सुबह करीब लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। महिला घर के आंगन में बनी स्नान ग्रह में लघुशंका करने गई थीं तभी वृद्ध महिला को सांप ने पैर में डस लिया । महिला ने सांप डसने की घटना अपने परिजनों को बताई कि मेरे पैर में सांप लिपट कर मुझे डस लिया है तो परिजन सांप को तलाश करने लगे लेकिन सांप नहीं देखा परिजन महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा ला रहे थे, तभी रास्ते में धनगौर के आसपास उसने अपनी अंतिम सांस और इस दुनिया को अलविदा कहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के ड्यूटी डॉक्टर संजय विश्वकर्मा ने बताया कि महिला सुबह लगभग 6:45 पर मृत अवस्था में लाई गई थी जिसकी सूचना तारादही थाने में दे दी गई है। महिला के परिजनों ने सांप काटने की बात बोली पोस्टमार्टम के बाद कुछ बताया जा सकता है कि महिला की मृत्यु किस कारण से हुई है तारादेही थाने में सूचना मिलते ही उप निरीक्षक रमेश सिंह मुडरिया आरक्षक पंकज के द्वारा मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा बाद में शव परिजनों को सौंप दिया।

अपहरण के मामले के 2 और आरोपियों को किया गिरफ्तार

सिरोंज। साकलोन के किसान मलखान यादव के अपहरण के मामले में दो और आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफतार कर लिया। 6 मई की रात में क्षेत्र के साकलोन के किसान मलखान यादव का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया थ। घटना से नाराज यादव समाज के लोगों ने सिरोंज थाने के सामने प्रदर्षन किया था। इसके बाद हरकत में आई पुलिस को मलखान गंभीर अवस्था में देहरी के पास स्थित वेयर हाउस के समाने नग्न अवस्था में मिला था। मामले में पुलिस ने 11 लोगों पर हत्या का प्रयास और दंगा करने का प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। 7 मई को पुलिस ने 5 आरोपियों इमरान, फैजान, अनस, जहीर और साजिद को गिरफतार कर उनका जुलूस भी निकाला। न्यायालय ने सभी को जेल भेज दिया। अगले दिन पुलिस ने लखार गांव में रहने वाले छठे आरोपी अंसार खां को गिरफतार कर जेल भेज दिया था। इसी दिन पुलिस ने घटना में उपयोग की गई स्कार्पियों वाहन को भी जब्त किया था। मामले में आरोपियों की तलाष का क्रम चलता रहा। मंगलवार को पुलिस ने दो और आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली। टीआई विमलेष राय ने बताया कि बवचिया में रहने वाले वसीम मियां और अरबाज खां को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों को न्यायालय ने जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाष भी की जा रही है।

पीजी कॉलेज का बाबू एक लाख रिश्वत लेते पकड़ाया, लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई

बुजुर्ग स्वीपर की मेहनत की कमाई रोककर बाबू मांग रहा था 2.5 लाख रुपये रिश्वत

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में एक बार फिर लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिश्वतखोर को रंगेहाथों पकड़ा है। मामला टीकमगढ़ जिले का है जहां जिले के मंगलवार को जिले के सरकारी कॉलेज में भ्रष्टाचार का बड़ा चेहरा बेनकाब हुआ। यहां लोकायुक्त टीम ने कॉलेज की तालकोठी शाखा में पदस्थ बाबू को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है। रिश्वतखोर बाबू एक रिटायर्ड स्वीपर से उसकी मेहनत की कमाई दिलाने के एवज में 2.5 लाख रुपये मांग रहा था। रिटायर्ड स्वीपर के बेटे ने लोकायुक्त में रिश्वतखोर बाबू की शिकायत की थी। इस मामले में कॉलेज के प्राचार्य सहित अन्य स्टाफ पर भी रिश्वतखोरी के खेल में शामिल होने के आरोप लगे हैं।

शिकायतकर्ता देवेंद्र वाल्मीकि के अनुसार उसके पिता हरिकिशन वाल्मीकि हाल ही में कॉलेज से स्वीपर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके एरियर, अर्जित अवकाश और समयमान वेतनमान की फाइल आगे बढ़ाने के बदले तालकोठी शाखा में पदस्थ बाबू नितिन मिश्रा ने 2 लाख रुपए रिश्वत और साथ ही उसे यानी देवेन्द्र को कॉलेज में नौकरी दिलाने के नाम पर अलग से 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। फरियादी देवेन्द्र के पिता 50 हजार रुपये पहली किस्त के तौर पर बाबू नितिन को दे चुके थे। इसके बाद जब बेटे देवेन्द्र को इसका पता चला तो उसने लोकायुक्त कार्यालय सागर में बाबू की शिकायत दर्ज कराई।

दूसरी किस्त में 1 लाख रुपए लेते रंगेहाथों पकड़ाया बाबू

फरियादी देवेंद्र की शिकायत की लोकायुक्त ने जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर मंगलवार को जाल बिछाकर फरियादी को रिश्वतखोर बाबू नितिन के पास 1 लाख रुपये देने के लिए भेजा। फरियादी ने दूसरी किश्त के एक लाख रुपये देने के लिए संपर्क किया तो बाबू नितिन ने पैसे देने के लिए उसे कॉलेज में बुलाया। जैसे ही बाबू नितिन ने रिश्वत के रुपये फरियादी देवेन्द्र से लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया।

बाबू नहीं, प्राचार्य सहित अन्य पर भी गंभीर आरोप

रिश्वतखोरी के इस मामले ने तब और बड़ा मोड़ आया जब शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त के सामने आरोप लगाया कि रिश्वतखोरी का यह खेल अकेले बाबू तक सीमित नहीं था। देवेंद्र ने कॉलेज प्राचार्य केसी जैन, सुनील चौरसिया और जयप्रकाश दीक्षित के नाम लेते हुए कहा कि यह पूरा नेटवर्क मिलीभगत से काम कर रहा था और रिश्वत के रुपयों में इन सभी का भी हिस्सा था।

भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत टक्कर मारकर कार चालक फरार

दमोह। दोपहर मेट्रो

दमोह में सागर स्टेट हाईवे पर मंगलवार शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में भाजपा नेता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब भाजपा नेता बाइक से मंदिर से अपने गांव लौट रहे थे तभी उद्यानिकी कार्यालय के सामने उनकी बाइक को पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भाजपा नेता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक कार को बस स्टैंड के पास छोड़कर फरार हो गया है। दमोह जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत उद्यानिकी कार्यालय के सामने भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह ठाकुर 45 वर्ष की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया गया है कि बांसा तारखेड़ा निवासी भाजपा नेता देवेंद्र ठाकुर मंगलवार शाम लक्ष्मण कुटी मंदिर से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही भोपाल पासिंग कार क्रमांक एमपी 04 एसजे 0999 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि देवेन्द्र ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई।बताया गया है कि हादसे के बाद कार चालक सागर मार्ग स्थित निर्माणाधीन नए बस स्टैंड के पास पहुंचा और वहां पर कार को छोड़कर फरार हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली है।

गांव से लाडो की होनी थी विदाई, ग्रामीणों ने खुद तैयार कर ली सड़क

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले मझगवां विकासखंड के हरिहरपुर पंचायत में इंसानियत और सामूहिक सहयोग की अनूठी मिसाल देखने को मिली। यहां एक आदिवासी गरीब परिवार की बेटी की विदाई में परेशानी न हो, इसके लिए ग्रामीणों ने बिना किसी सरकारी सहायता के खुद सड़क बना डाली। महज एक रात की मेहनत से करीब 250 मीटर लंबा कच्चा रास्ता तैयार कर दिया गया, जिससे अब बारात और वाहनों का आवागमन संभव हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार हरिहरपुर पंचायत स्थित आदिवासी बस्ती निवासी रंजना कोल पिता राजेश कोल के यहां मंगलवार 12 मई को बारात आनी है। परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है और उनके घर तक पहुंचने के लिए ठीक रास्ता नहीं था। बरसों से सड़क की समस्या बनी हुई थी, जिससे गांव के लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। कई बार बस्ती के लोगों ने प्रशासन को सड़क संबंधी आवेदन दिया लेकिन औपचारिकताओं में सड़क निर्माण उलझा रह गया। इधर बेटी की शादी के मौके पर जब यह चिंता सामने आई कि बारात और विदाई में परेशानी होगी, तब पूरे गांव ने जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली।

समाज सेवी रीतेश त्रिपाठी बताते हैं कि लड़की के परिवार ने गांव वालों से अपनी समस्या बताई। तब ग्रामीणों ने सहयोग का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने आपस में सहयोग जुटाया। अच्छेलाल त्रिपाठी ने अपना ट्रैक्टर उपलब्ध कराया तो एक ग्रामीण ने जेसीबी की व्यवस्था दी जिससे मुरूम की खुदाई हो सके। इसके बाद गांव के युवाओं और बुजुर्गों ने श्रमदान कर रास्ते को समतल बनाया और देखते ही देखते सड़क तैयार हो गई। इसके लिए पहले कुछ झाड़ झंखाड़ काटे गए। फिर मुरुम डालकर श्रमदान से समतल सड़क का निर्माण किया गया।

दिनारी गांव में ब्यारमा नदी की घटना

नहाने गए युवक पर मगरमच्छ ने किया हमला, गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के दिनारी गांव में दोपहर ब्यारमा नदी में नहाने गए 18 वर्षीय युवक अभिषेक सिंह राजपूत पर मगरमच्छ ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है अभिषेक के भाई आशीष ने बताया कि वह रोज की तरह नदी में नहा रहा था, तभी मगरमच्छ ने पीछे से हमला कर उसका पैर दबोच लिया। मगरमच्छ ने दो-तीन बार जोर से झटके दिए और उसे गहरे पानी में खींचने की कोशिश की। अभिषेक के चिल्लाने पर वहां मौजूद अन्य लोग मदद के लिए दौड़े और मगरमच्छ पर पथराव कर उसे भागने पर मजबूर किया, जिससे युवक की जान बच सकी। परिजनों ने तत्काल अभिषेक को दमोह जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ऐश्वर्य प्रताप सिंह की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के मुताबिक, मगरमच्छ के दांतों से युवक के दाहिने पैर में काफी गहरे और गंभीर घाव हुए हैं घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत के तौर पर 1000 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। नदी किनारे इस तरह के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

लगातार बढ़ रहा मगरमच्छों का कुनबा

बता दें कि व्यारमा नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छ मौजूद है जिनका कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है दिनारी के लोगों ने कहा की व्यारमा नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छ मौजूद है व्यारमा नदी कोटखेड़ा, तारादेही, झलौन, तेजगढ़, इमलिया होते हुए निकली है। उक्त नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छों का बसेरा बना हुआ है और बड़ी संख्या में मगरमच्छों को देखा जा सकता है। बता दें कि बारिश के तीन माह में व्यारमा नदी से निकलकर दर्जनों मगरमच्छ रहवासी क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं जिन्हें पकड़कर सिंगौरगढ़ जलाशय और नौरादेही अभ्यारण्य के तालाब सहित व्यारमा नदी और बमनेर नदी में छोड़ा जाता है। मगरमच्छों द्वारा जानवरों और इंसानों पर भी हमला करने के मामले सामने आ चुके हैं इस वर्ष दर्जनों मगरमच्छों को पकड़कर भोपाल भेजा जा चुका है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए बड़ी मॉकड्रिल आज

रायसेन। दोपहर मेट्रो

सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेश के रायसेन में 13 मई को हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए बड़ा मॉकड्रिल आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन और होमगार्ड आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा यह अभ्यास रात 7-35 बजे पुलिस लाइन परिसर में किया जाएगा। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य युद्ध या एयर अटैक जैसी स्थिति में प्रशासन, रेस्क्यू टीम और आम नागरिकों की तैयारी को परखना है। अभ्यास के दौरान शहर में प्रतीकात्मक ब्लैकआउट किया जाएगा। यानी कुछ समय के लिए बिजली बंद कर अंधेरा रखा जाएगा, ताकि हवाई हमले के दौरान शहर की पहचान छुपाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया जा सके।

एसपी से शिकायत के बाद के त्वरित कार्रवाई

6 महीने बाद अपनी डेढ़ साल की मासूम से मिली मां

धार । दोपहर मेट्रो

जिले के सरदारपुर क्षेत्र में पति की प्रताड़ना का शिकार होकर पिछले छह महीने से अपनी डेढ़ साल की बेटी से दूर एक बेबस मां को पुलिस ने महज 4 घंटे के भीतर उसकी संतान से मिलवा दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम रूपारेल की रहने वाली पूजा को उसके पति विष्णु ने लगभग छह माह पूर्व बेरहमी से मारपीट कर घर से बेदखल कर दिया था। पति ने उसकी डेढ़ साल की दुधमुंही बच्ची को भी उससे छीन लिया। घर से निकाले जाने के बाद बेसहारा पूजा अपने मायके लेड़गांव में रह रही थी, बच्ची की जुदाई में वह हर दिन तड़पती थी। उसने अपनी बेटी को वापस पाने के कई जतन किए, लेकिन नाकाम रही। सोमवार को वह इंसाफ की आस लेकर धार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने महिला की पीड़ा सुनी और मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। अमझेरा थाना प्रभारी राजू मकवाना ने मामले में दोनों पक्षों को तत्काल थाने तलब किया। थाने में पूछताछ के दौरान यह चौंकाने वाला सच भी सामने आया कि आरोपी पति विष्णु ने दूसरी शादी रचा ली है। पुलिस अधिकारियों ने पति को सख्त हिदायत देने के साथ-साथ समझाया कि इतनी छोटी बच्ची का अपनी सगी मां से दूर रहना न तो कानूनी रूप से सही है और न ही मानवीय दृष्टिकोण से। शुरुआत में आनाकानी करने के बाद, अंततः पुलिस के दबाव और समझाइश के चलते विष्णु बच्ची को उसकी मां के सुपुर्द करने के लिए राजी हो गया। शिकायत दर्ज होने के महज चार घंटे के भीतर अमझेरा पुलिस ने बच्ची को उसकी मां पूजा की गोद में सौंप दिया। उक्त पुलिस कार्रवाई में अमझेरा थाने के उपनिरीक्षक प्रमोद चौहान, सहायक उपनिरीक्षक कमलेश्वर तिवारी व विमल कुमार त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण गामड़ और आरक्षक मुकेश बारिया की विशेष भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

सुरक्षित आवास और भोजन की तलाश में टाइगर रिजर्व की और आते हैं प्रवासी पक्षी

हर साल बर्फीले प्रदेशों के 70 प्रजातियों के करीब 10 हजार पक्षी बनते हैं वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मेहमान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जहां बाघों की बसाहट की है तो यहीं चीते बसाने की तैयारी चल रही है, लेकिन यहां पर हर साल सर्दियों में सत्तर से अधिक प्रजापतियों के दस हजार प्रवासी पक्षी भी प्राकृतिक रूप से आते हैं गर्मियां शुरू होते ही वापस चले जाते हैं। टाइगर रिजर्व में भी प्रवासी पक्षियों की अठखेलियों के हिसाब से व्यवस्थाएं की हैं दरअसल शीत ऋतु में ठंडे देशों में बर्फबारी के कारण वहां के स्थानीय पक्षियों के ठिकाने नष्ट हो जाते हैं। इनके आहार भी बर्फ में दबकर नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में ये पक्षी सुरक्षित ठिकानों और आहार की तलाश में हजारों किमी की दूरी तय करके टाइगर रिजर्व सहित कई स्थानों पर पहुंच जाते हैं। यहां आने वाले अधिकांश पक्षी जलीय होते हैं और उनका आहार जलीय जीव होता है जिस कारण ये अपना डेरा टाइगर रिजर्व के जलस्त्रोतों के पास डालते हैं टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा यहां पर बनाए तालाबों में पेड़ नुमा लकड़ियां लगाई हैं ताकि ये पक्षी इन पेड़ों पर सुरक्षित बैठकर कलरव कर सकें जानकारों के अनुसार वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में रूस, मध्य एशिया के कजाकिस्तान, अफगानिस्तान, लद्दाख तिब्बत, तिब्बत, साइबेरिया से ठंड शुरू होते ही सारस क्रेन बिस्लिंग, ब्लैक नेक्ड स्टार्क, पेंटेड स्टार्क, सैंडपाइपर, कॉर्पोरेंट मुख्य रूप से हर साल पहुंचते हैं और गर्मी की दस्तक के साथ ही वापस चले जाते हैं। इस मामले में रिटायर्ड एसडीओ सेवाराम मलिक बताते हैं कि टाइगर रिजर्व में प्रवासी पक्षियों के आहार के लिए वनस्पति व कीड़े-मकोड़े मौजूद हैं, जिस कारण प्रवासी पक्षी यहां पर आते हैं। इन पक्षियों का भी विशेष महत्व है।

यूरोप की नई टी20 लीग में भारतीय जलवा

राहुल द्रविड़ बने टीम मालिक, आर अश्विन संभालेंगे कप्तानी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ को यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग की डबलिन फ्रेंचाइजी डबलिन गार्डियंस का मालिक घोषित किया गया। इस मौके पर द्रविड़ ने कहा कि उनका मकसद सिर्फ टीम खरीदना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट के विकास में योगदान देना है। द्रविड़ ने कहा, मुझे ईटीपीएल की बड़ी सोच ने आकर्षित किया। यह यूरोप में क्रिकेट को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर विकास करने और नए खिलाड़ियों के लिए रास्ते बनाने का शानदार अवसर है।

उन्होंने आगे कहा, डबलिन में क्रिकेट को लेकर जबरदस्त जुनून है और यहां आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। अगली पीढ़ी को तैयार करना हमेशा मेरे लिए अहम रहा है। मुझे विश्वास है कि ETPL इस सफर में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

अश्विन को मिली कप्तानी भारतीय जोड़ी पर नजरें

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को डबलिन गार्डियंस का कप्तान बनाया गया है। द्रविड़ जैसे रणनीतिक दिमाग और अश्विन जैसे अनुभवी कप्तान के साथ यह टीम लीग की सबसे चर्चित फ्रेंचाइजी बन गई है। अश्विन की कप्तानी में टीम बेलफास्ट, एडिनबर्ग, ग्लासगो, रॉटरडैम और एम्स्टर्डम जैसी टीमों से भिड़ेगी।

यूरोप की नई लीग में बड़े सितारों की एंट्री

ईटीपीएल को क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर शुरू किया गया है। यह एक क्रॉस-बॉर्डर फ्रेंचाइजी मॉडल है, जिसमें छह शहरों की टीमें हिस्सा लेंगी। लीग में कई अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ियों के खेलने की उम्मीद है। इनमें मिचेल मार्श, टिम डेविड, मिचेल सैंटनर, लियाम लिविंगस्टोन, ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डुप्लेसिस और हेनरिक क्लासेन जैसे नाम शामिल हैं।

बाकी फ्रेंचाइजियों में भी दिग्गजों की भरमार

इस लीग की दूसरी टीमों में भी कई बड़े क्रिकेट नाम जुड़े हैं। बेलफास्ट फ्रेंचाइजी के मालिक ग्लेन मैक्सवेल हैं, जबकि एम्स्टर्डम टीम से स्टीव वॉ जुड़े हैं। रॉटरडैम फ्रेंचाइजी में जोंटी रोड्स और फाफ डुप्लेसिस शामिल हैं। ग्लासगो टीम में क्रिस गेल भी भागीदार हैं।

भारतीय क्रिकेट का यूरोप में बढ़ता प्रभाव

ईटीपीएल में राहुल द्रविड़ और अश्विन की मौजूदगी ने लीग को शुरुआत से ही बड़ा आकर्षण दे दिया है। इससे साफ है कि भारतीय क्रिकेट दिग्गज अब मैदान के बाहर भी दुनिया भर में खेल को नई दिशा देने में जुटे हैं। यूरोप में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने की इस कोशिश में भारत के दो बड़े नाम अब अहम भूमिका निभाएंगे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: फुटबाल प्रेमियों को झटका

भारत-चीन में ब्रॉडकास्ट डील अटकी, फैन्स के सामने बड़ा सवाल – मैच कहां और कैसे देखें?

नई दिल्ली , एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में अब कुछ ही हफ्ते बाकी हैं, लेकिन फुटबॉल प्रेमियों के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि क्या वे अपने देश में इस मेगा इवेंट का सीधा प्रसारण देख पाएंगे या नहीं। अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की मेजबानी में 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अभी तक भारत और चीन जैसे दो सबसे बड़े बाजारों में ब्रॉडकास्ट राइट्स को लेकर अंतिम समझौता नहीं हो सका है। इन दोनों देशों में लगभग तीन अरब लोगों की संभावित दर्शक संख्या मानी जाती है, लेकिन अब तक की स्थिति को देखते हुए यह साफ नहीं है कि इन फैन्स को लाइव मैच देखने का मौका मिलेगा या नहीं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फीफा की एक उच्च स्तरीय टीम इस समय चीन में मौजूद है और वहां के सरकारी ब्रॉडकास्टर CCTV के साथ लगातार बातचीत कर रही है। शुरुआत में फीफा ने चीन के लिए लगभग 300 मिलियन डॉलर की मांग रखी थी, जबकि CCTV केवल 80 मिलियन डॉलर तक ही खर्च करने को तैयार था। बाद में बातचीत 120 से 150 मिलियन डॉलर के बीच पहुंची, लेकिन फिर भी किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी। अब खबरें हैं कि फीफा अपनी मांग में 50 प्रतिशत से अधिक कटौती करने को तैयार है, ताकि जल्द से जल्द डील फाइनल हो सके। साथ ही 2030 वर्ल्ड कप के पैकेज पर भी बातचीत की जा रही है। चीन में एक और बड़ी समस्या यह है कि मैचों का समय बेहद असुविधाजनक है, कई मुकाबले वहां स्थानीय समय के अनुसार तड़के 3 बजे प्रसारित होंगे, जिससे दर्शकों की संख्या पर असर पड़ सकता है।

भारत में भी ब्रॉडकास्ट राइट्स अटके

भारत में स्थिति लगभग वैसी ही बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस-डिज्नी के संयुक्त वेंचर ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए करीब 20 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव दिया था, जिसे फीफा ने काफी कम मानते हुए स्वीकार नहीं किया। इसके बाद से बातचीत रुक गई है और अभी तक कोई नई प्रगति नहीं हुई है। इसी बीच सोशल मीडिया पर यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि क्या एक बार फिर भारत में वर्ल्ड कप का प्रसारण सरकारी चैनल दूरदर्शन को मिल सकता है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पाइरेसी और अवैध स्ट्रीमिंग बनी बड़ी समस्या

फीफा के लिए एक और बड़ी चुनौती एशियाई बाजारों में बढ़ती पाइरेसी है। 2018 और 2022 वर्ल्ड कप के दौरान अवैध स्ट्रीमिंग में भारी वृद्धि हुई थी, जिससे आधिकारिक ब्रॉडकास्ट राइट्स की वैल्यू प्रभावित हुई। इसी कारण कई ब्रॉडकास्टर्स इतने बड़े निवेश को लेकर हिचकिचा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि रिटर्न उतना नहीं मिलेगा जितनी लागत लग रही है।

फीफा के लिए बड़ा दांव, लेकिन अनिश्चित भविष्य

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2022 वर्ल्ड कप में चीन ने वैश्विक टीवी व्यूअरशिप का लगभग 17.7 प्रतिशत हिस्सा योगदान दिया था, जबकि भारत की हिस्सेदारी 2.9 प्रतिशत रही थी। डिजिटल स्ट्रीमिंग में दोनों देशों की संयुक्त हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशत तक थी। यही वजह है कि फीफा किसी भी हालत में इन दोनों बाजारों को खोना नहीं चाहता, लेकिन मौजूदा स्थिति में समझौता करना भी आसान नहीं दिख रहा।

फैन्स की नजर अब अंतिम फैसले पर

फिलहाल फीफा ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक रूप से कोई विस्तृत बयान नहीं दिया है और बातचीत को गोपनीय बताया जा रहा है। अब पूरी दुनिया के फुटबॉल फैन्स की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या भारत और चीन में वर्ल्ड कप का प्रसारण तय समय पर शुरू हो पाएगा या फिर आखिरी वक्त पर कोई बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

एशियाई देशों में कीमत और दर्शक संख्या की चुनौती

भारत और चीन के अलावा थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों में भी ब्रॉडकास्ट राइट्स को लेकर असहमति जारी है। थाईलैंड में तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि प्रधानमंत्री को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा और फैन्स को आश्वासन देना पड़ा कि वे वर्ल्ड कप से वंचित नहीं रहेंगे। थाईलैंड में पहले वर्ल्ड कप को Must Have सूची से हटा दिया गया था, जिससे यह अनिवार्य नहीं रहा कि इसे फ्री-टू-एयर टीवी पर दिखाया जाए। इससे जनता में भारी नाराजगी देखी गई थी।

बीसीसीआई को मनाने में जुटा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, टीम इंडिया के दौरे को लेकर तेज हुई हलचल

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट रिश्तों को लेकर पिछले कुछ महीनों से लगातार विवाद और तनाव की खबरें सामने आती रही थीं। लेकिन अब पूर्व बांग्लादेशी कप्तान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष तमीम इकबाल ने दोस्ताना बयान देकर माहौल बदलने की कोशिश की है। तमीम इकबाल ने साफ कहा है कि अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और बीसीबी के बीच कोई बड़ा मुद्दा नहीं बचा है और भारत का बांग्लादेश दौरा दोनों देशों के रिश्तों को नई दिशा दे सकता है। भारत को अगस्त 2025 में बांग्लादेश दौरे पर ODI और T20I सीरीज खेलनी थी। लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़े राजनीतिक तनाव के कारण यह दौरा टाल दिया गया और इसे सितंबर 2026 तक शिफ्ट कर दिया गया।

मुस्ताफिजुर को बाहर करने पर बिगड़े हालात- इसके बाद दोनों बोर्ड्स के संबंधों में उस वक्त तल्खी आई, जब बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्ताफिजुर रहमान को अपने स्क्वॉड से रिलीज कर दिया। हालात इतने खराब हो गए थे कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देते हुए आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया था। हालांकि बाद में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई और अब भारत सितंबर 2026 में बांग्लादेश दौरे पर 6 मुकाबले खेल सकता है।

बीसीसीआई अध्यक्ष से मौजूदा रिश्ते अच्छे : तमीम

तमीम इकबाल ने बातचीत करते हुए कहा कि उनके मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ने आईपीएल में एक साथ क्रिकेट खेला है और मिथुन कई बार ढाका लीग खेलने भी बांग्लादेश आ चुके हैं। तमीम इकबाल ने भारतीय टीम की सुरक्षा को लेकर भी बड़ा बयान दिया। तमीम ने साफ कहा कि बांग्लादेश में भारतीय टीम की सुरक्षा को लेकर कभी कोई खतरा नहीं रहा। तमीम कहते हैं, जब भारत बांग्लादेश आता है तो पूरा स्टेडियम भर जाता है। लोग इस मुकाबले को बेहद पसंद करते हैं। मुझे नहीं लगता कि अब बीसीबी और बीसीसीआई के बीच कोई वास्तविक समस्या बची है। भारत का बांग्लादेश दौरा सिर्फ क्रिकेट सीरीज नहीं होगा, बल्कि दोनों देशों के क्रिकेट रिश्तों को फिर से मजबूत करने का बड़ा मौका साबित हो सकता है।

अब लंबे सपने नहीं देखता...,

धुरंधर गेंदबाज भुवनेश्वर ने टीम इंडिया में वापसी पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे भुवनेश्वर कुमार एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे भुवनेश्वर कुमार इस समय पर्पल कैप की रेस में टॉप पर हैं और लगातार उनकी टीम इंडिया में वापसी की मांग उठ रही है। अब खुद भुवी ने इस पूरे मुद्दे पर बेहद शांत और ईमानदार जवाब दिया है।

भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि अब वह लंबे समय के लक्ष्य बनाना छोड़ चुके हैं। उन्होंने आरसीबी की ओर से शेयर किए गए वीडियो में कहा, मैं भारत में वापसी के बारे में नहीं सोच रहा। मैंने कई साल पहले लंबे लक्ष्य बनाना छोड़ दिया था क्योंकि जब भी ऐसा किया, चीजें वैसी नहीं हुईं जैसी मैंने सोची थीं।

भुवी ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ी खुशी यह है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए इतने मैच खेले और इतने विकेट लिए।

36 साल के भुवनेश्वर कुमार इस सीजन नई गेंद और डेथ ओवर दोनों में बेहद खतरनाक नजर आए हैं। उन्होंने अब तक 11 मैच खेलकर 21 विकेट झटके हैं और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

दोस्त दिशा पाटनी ने कंफर्म किया तलाक?

4 साल बाद टूट रही मौनी रॉय की शादी

शोबिज की दुनिया में जितनी जल्दी रिश्ते बनते हैं उतनी तेजी से टूट भी जाते हैं। अब बॉलीवुड और टीवी की फेमस एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी शादीशुदा जिंदगी में आई दरार को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसी चर्चा है मौनी का पति सूरज नांबियार संग रिश्ता मुश्किल दौर से गुजर रहा है। दोनों की शादी टूटने की कगार पर है।

एक वक्त पर पावर कपल कहे जाने वाले मौनी और सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। फैंस की जब पैनी नजर दोनों की फॉलोइंग लिस्ट पर पड़ी तो लोगों ने पाया कि मौनी और सूरज इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को फॉलो नहीं कर रहे हैं और फिर दोनों के रिश्ते में खटपट की खबरें तूफानी रफ्तार से फैल गईं। हालांकि, मौनी और सूरज में से किसी ने भी अपने रिश्ते में अनबन होने की रिपोर्ट्स को कंफर्म नहीं किया है और न ही उन्होंने तलाक की वायरल खबरों पर अब तक रिएक्ट किया है।

लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि मौनी की सबसे करीबी दोस्त और एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने भी सूरज नांबियार को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। दिशा की फॉलोइंग लिस्ट में सूरज मौजूद नहीं हैं। दिशा पाटनी, मौनी रॉय की सबसे करीबी दोस्त हैं। दोनों फैमिली जैसा बॉन्ड शेयर करती हैं। दिशा बेस्ट फ्रेंड मौनी के पति सूरज के भी काफी क्लोज थीं। दिशा कई दफा सूरज और मौनी संग वेकेशन एन्जॉय करते और पार्टी करते नजर आ चुकी हैं। इतना खास बॉन्ड होने पर दिशा के सूरज को अनफॉलो करने पर माना जा रहा है कि मौनी और सूरज के रिश्ते में वाकई में दरार पड़ गई है। क्योंकि ये बात साफ जाहिर है कि दिशा इस सिचुएशन में अपनी दोस्त मौनी का ही साथ देंगी।

4 साल में पड़ी रिश्ते में दरार

मौनी रॉय जहां टीवी और बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, तो वहीं उनके पति सूरज नांबियार इंडस्ट्री से नहीं हैं। सूरज एक बिजनेसमैन हैं। दोनों ने लंबी डेटिंग के बाद साल 2022 को गोवा के इंटीमेट वेडिंग की थी। उन्होंने पहले मलयाली रीति-रिवाजों से शादी की थी और फिर बंगाली परंपराओं के अनुसार शादी रचाई थी। मगर अब लगता है कि 4 साल बाद ही दोनों की शादी टूटने की कगार पर है।

नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी, पुरानी पहचान से पीछा छुड़ाकर बनीं बॉलीवुड की बड़ी स्टार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने फिल्मों, गानों और रियलिटी शोज के जरिए करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। हालांकि, उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी था, जब लोग उन्हें सिर्फ उनकी पुरानी पहचान से देखते थे, लेकिन सनी ने मेहनत और धैर्य के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह पक्की की। चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने नर्सिंग की पढ़ाई में रुचि दिखाई और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखा। वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती थीं। हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और

ही तय कर रखा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सनी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक जर्मन बेकरी में वेट्रेस की नौकरी की। इसके अलावा, टैक्स और रिटायरमेंट फर्म में भी काम किया। इसी दौरान उनकी जिंदगी धीरे-धीरे ग्लैमर इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगी। मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें नई पहचान मिलने लगी। बाद में उन्होंने एडल्ट इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान उन्हें आलोचनाओं और तानों का सामना भी करना पड़ा।

मेट्रो बाजार

गूगल और एप्पल ने आरसीएस मैसेजिंग के लिए शुरू किया एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन

नई दिल्ली । अमेरिकी टेक दिग्गज कंपनी गूगल और एप्पल ने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज (आरसीएस) मैसेजिंग, आईफोन और एंड्रॉइड यूजर्स के लिए शुरू करने का ऐलान किया है। इसे क्रॉस-मैसेजिंग प्लेटफॉर्म में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है, क्योंकि इससे प्राइवेसी सुनिश्चित होगी। एप्पल ने कहा कि उसने इंडस्ट्री इनिशिएटिव के तहत एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज के सपोर्ट के लिए गूगल से साझेदारी की है। यह पारंपरिक मैसेज सिस्टम को रिप्लेस करेगा।

एप्पल के मुताबिक, यह फीचर अब आईओएस 26.5 पर चलने वाले आईफोन यूजर्स के साथ-साथ गूगल मैसेज के लेटेस्ट वर्जन का उपयोग करने वाले एंड्रॉइड यूजर्स के लिए बीटा में उपलब्ध है। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन चालू होने से, आरसीएस के माध्यम से भेजे गए संदेशों को स्मार्टफोन के बीच ट्रांसमिशन के दौरान एक्सेस या पढ़ा नहीं जा सकता है, जिससे यूजर्स की प्राइवेसी सुनिश्चित होती है। एप्पल ने कहा कि यूजर्स आरसीएस चैट में प्रदर्शित एक नए लॉक आइकन के माध्यम से एन्क्रिप्टेड बातचीत की पहचान कर सकेंगे। इसके अलावा, यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू रहेगा और धीरे-धीरे नए और मौजूदा दोनों तरह की बातचीत के लिए सक्रिय हो जाएगा। इसके अतिरिक्त गूगल ने कहा कि उसका मैसेज प्लेटफॉर्म कई वर्षों से एंड्रॉइड डिवाइसों के बीच एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेज का सपोर्ट कर रहा है, और कंपनी ने अब इन सुरक्षा सुविधाओं को क्रॉस-प्लेटफॉर्म आरसीएस तक विस्तार कर दिया है।

सरकार गरीबों की समर्थक, उद्योगों की हितैषी सीआईआई के कार्यक्रम में बोले श्रम मंत्री

मुंबई । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि सरकार की आर्थिक विकास नीति गरीबों, किसानों, उद्योगों और श्रमिकों के हितों में संतुलन बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत के दीर्घकालिक विकास के लिए उद्योग और श्रमिकों का साथ-साथ आगे बढ़ना बेहद जरूरी है। सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट 2026 में आयोजित नेक्स्ट-जनरेशन लेबर रिफॉर्म्स विषय पर विशेष सत्र को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार ऐसा विकास मॉडल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उद्योगों के अनुकूल होने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों का भी ध्यान रखे।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार गरीबों और किसानों के हित में काम करने वाली सरकार है, लेकिन यह उद्योगों के अनुकूल भी है। मंत्री ने आगे कहा, जरूरी है कि हम उद्योग समर्थक और श्रमिक समर्थक दोनों सोच के साथ आगे बढ़ें। उद्योग और श्रमिकों को एक-दूसरे से जुड़कर साझा भविष्य की ओर बढ़ना होगा। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने आगे कहा कि देश में टिकाऊ आर्थिक विकास तभी संभव है, जब उद्योगों की प्रगति और

श्रमिकों का विकास साथ-साथ हो।सम्मेलन के दौरान भारत की कार्यशक्ति की बदलती भूमिका और 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर भी चर्चा हुई। एक अन्य सत्र में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारत के कामकाजी वर्ग की बढ़ती खरीद क्षमता घरेलू मांग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के विकास में बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा, ÷भारतीय कामकाजी वर्ग की बेहतर होती खरीद क्षमता घरेलू खपत को बढ़ाएगी, जिससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और भारत विकसित व आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

इस बार हेलीकॉप्टर से आएं बाबा बर्फानी के द्वार

जम्मू। अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं को इस बार हेलीकॉप्टर की सुविधा भी मिलेगी। तीन जुलाई से शुरू हो रही यात्रा के लिए जून के मध्य में टिकटों की कीमतों की घोषणा की जाएगी। बीते साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के बाद हेली सेवा बंद कर दी गई थी। अमरनाथ यात्रा के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। ऐसे में जो श्रद्धालु पैदल चलने में असमर्थ होते हैं या फिर समय बचाना चाहते हैं, वे हेलीकॉप्टर से यात्रा को प्राथमिकता देते हैं। बालटाल और पहलगाम रूट से यात्रा संपन्न होती है। हेलीकॉप्टर से इन रूटों के बेस कैंप से कुछ ही मिनटों में गुफा के पास तक पहुंचा जा सकता है। हेली सेवा का जिम्मा श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के पास है। वही यात्रा के लिए टिकटों की दर तय करता है। बीते साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई के रूप में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। इस बीच जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत तो हुई, लेकिन हेली सेवा के संचालन को अनुमति नहीं दी गई। इस बार अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान हेली सेवाओं के संचालन को अनुमति दे दी गई है।

न्यूज विंडो

SIR में जिनका नाम कटा, उन्हें नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

कोलकाता। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी अगले महीने से राज्य की महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना लागू कर सकते है। इसके साथ ही राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा भी देने की तैयारी की जा रही है। मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने पदभार संभालते ही राज्य सचिवालय नवान्न में अन्नपूर्णा योजना को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें राज्य सरकार के लगभग सभी विभागों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें। बैठक में योजना के क्रियान्वयन, लाभार्थियों के सत्यापन और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। नवान्न सूत्रों के अनुसार, बैठक में अधिकारियों को साफ संदेश दिया गया कि अन्नपूर्णा भंडार योजना को लागू करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनावी वादों के अनुसार, भाजपा सरकार अन्नपूर्णा भंडार योजना के तहत महिलाओं को उनके बैंक खाते में सीधे तौर पर हर महीने तीन हजार रुपये देगी। राज्य सरकार चाहती है कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं को ही मिले और प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जिन महिलाओं को पहले से पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार की लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ मिल रहा था, उनका वेरिफिकेशन किया जाएगा।

कुशीनगर: अररिया-दिल्ली बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 20 घायल

कुशीनगर। अररिया बिहार से दिल्ली जा रही लग्जरी बस को तीन बजे भोर में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने पटहेरिया चौराहे पर टक्कर मार दिया। बस में सवार 20 यात्री घायल हो गए। इनमें महिला सहित दो यात्री की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। ट्रक के टक्कर के बाद बस असंतुलित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई।बहुत देर तक राष्ट्रीय राज मार्ग जाम रहा। बाद में पहुंची ने पुलिस ने जाम हटवा कर यातायात सुचारू कराया। आज सुबह अररिया बिहार से 90 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही शिवगुरु ट्रैवेल की लग्जरी बस जैसे पटहेरिया चौराहे के निर्माणधीन ओवरब्रीज के पास पहुँची कि विपरीत दिशा से आ रही आलू-प्याज लदी ट्रक ने जोरदार भिड़ंत हो गया।जिससे लग्जरी बस डिवाइडर पर चढ़ कर विद्युत पोल के सहारे खड़ी हो गयी। घटना के बाद चीख-पुकार मच गई।स्थानीय लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को एक एक कर बाहर निकाला।घायलों यात्रियों को पुलिस सीएचसी फाजिलनगर भेजवा।

फिल्म इंडस्ट्री को झटका, 48 साल के मशहूर एक्टर दिलीप राज का निधन

बेंगलुरु। मशहूर कन्नड़ अभिनेता और निर्माता दिलीप राज अब इस दुनिया में नहीं रहे। बताया जा रहा है कि 48 साल की उम्र में उनका दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। हार्ट अटैक के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके अचानक निधन की खबर से कन्नड़ फिल्म और टेलीविजन जगत सदमे में है,

एक्टर के फैंस और को-स्टार अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं और सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अनुभवी अभिनेता डोडन्ना ने दिलीप राज के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, 'दिलीप राज के पिता एच.एम. शिवरुद्रप्पा हैं। वे मूल रूप से अरसिकेरे के रहने वाले थे। उन्होंने और मेरे भाई ने साथ-साथ पढ़ाई की थी। दिलीप राज के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा है। मेरा दिल दुख रहा है। वे हमारे बच्चों जैसे थे। दिलीप राज फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन, थिएटर और डबिंग में अपने काम के लिए जाने जाते थे।

पीएम ने संसाधनों के संतुलित इस्तेमाल की अपील के बाद खुद पेश किया उदाहरण

मोदी ने अपने काफिले का आकार घटाया, ई-वाहन शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है। यह कदम उनकी हालिया घरेलू यात्रा के दौरान लागू किया गया। वाहनों की संख्या में कमी की गई है। लेकिन एसपीजी प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा गया है। हैदराबाद में दिए गए उनके भाषण के तुरंत बाद गुजरात और असम में भी काफिले का आकार घटा दिया गया था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा है कि जहां संभव हो, उनके काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल किया जाए, लेकिन इसके लिए नए वाहन नहीं खरीदे जाएं।

खर्चों में कटौती का यह अभियान अब भाजपा शासित राज्यों में दिखाई दे रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य नेताओं ने भी अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटाने का निर्णय लिया है।

यूपी: योगी ने भी दिए निर्देश

बढ़ती ईंधन खपत और वैश्विक हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने मंगलवार को अपने और मंत्रियों के काफिलों में तुरंत 50 फीसदी कमी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि काफिले से अनावश्यक वाहनों को कम किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से जुड़ते हुए प्रदेशवासियों से ईंधन की खपत कम करने, सोने की गैरजरूरी खरीद से बचने और सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग की अपील की।

मध्य प्रदेश: मोहन यादव ने भी घटाया काफिले का आकार

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के काफिले का आकार भी 13 से घटकर आठ वाहनों का हो गया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि आने वाले आदेश तक उनके सभी सरकारी और आधिकारिक दौरों में सीमित वाहनों का ही उपयोग किया जाएगा। काफिले में सुरक्षा की दृष्टि से न्यूनतम वाहन होंगे और भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी।

पीएम मोदी की अपील का असर सोने की खरीद में गिरावट

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील के बाद राजधानी के सराफा बाजारों में हलचल तेज हो गई है। दिल्ली के कई प्रमुख बाजारों में बीते दो दिनों के दौरान सोने की खरीदारी में गिरावट दर्ज की गई है। व्यापारी इसे लेकर चिंता जता रहे हैं। वहीं, ग्राहकों में भी असमंजस की स्थिति दिखाई दे रही है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों से एक साल तक सोने के गहनों की खरीदारी से बचने की अपील की थी। इसका असर अब बाजारों में साफ दिखाई देने लगा है। दिल्ली के कई ज्वैलरी कारोबारियों का कहना है कि शादी-ब्याह और पारिवारिक समारोहों के लिए सोना खरीदने की योजना बना रहे ग्राहक फिलहाल इंतजार करने लगे हैं। कई ग्राहक यह मान रहे हैं कि यदि बाजार में मांग घटती है तो आने वाले समय में सोने की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। पहले ही लगभग 25 प्रतिशत तक नरमी आ चुकी है : कारोबारियों का कहना है कि सोने के दामों में बड़ी गिरावट की आशंका कम है। उनके अनुसार पिछले साल दिवाली से मार्च तक सोने की कीमतों में काफी तेजी देखने को मिली थी, लेकिन उसके बाद बाजार में पहले ही लगभग 25 प्रतिशत तक नरमी आ चुकी है। व्यापारियों का मानना है कि मौजूदा समय में कृषि सीजन भी बाजार को प्रभावित करता है।

बंगाल में असम मॉडल

सीएम सुवेंदु बोले- 'अवैध घुसपैठियों पर होगी सख्त कार्रवाई'

कोलकाता। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ असम की तर्ज पर सख्त कार्रवाई करने का संकेत दिया। उन्होंने सीमा पर कड़ी निगरानी, बांग्लादेश सीमा पर तेजी से बाड़ लगाने और पीएम नरेंद्र मोदी के पूर्वोदय अभियान के तहत BJP-शासित पूर्वी राज्यों के बीच बेहतर तालमेल का वादा किया।

सीएम सुवेंदु ने असम और त्रिपुरा को बंगाल की सुरक्षा और राजनीतिक रणनीति के लिए एक मिसाल के तौर पर पेश किया। उन्होंने आगे कहा, 'देश के हित में असम और त्रिपुरा में जिस तरह का काम किया गया है, अब BJP बंगाल में भी वैसा ही काम करेगी।'

इस तरह उन्होंने असम की सीमा सुरक्षा रणनीति को बंगाल के लिए BJP के रोडमैप से जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा, 'असम की तरह ही, हम भी अवैध घुसपैठियों से निपटने और बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे।'

बालेन सरकार को झटका

नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने छात्र राजनीति बैन करने के आदेश पर लगाई रोक

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को जबरदस्त कानूनी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाह की सरकार के सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी में छात्र संगठनों को भंग करने के फैसलों पर रोक लगा दी है। इसे उन्होंने अध्यादेशों के जरिए लागू किया था।

सुप्रीम कोर्ट के ये दो आदेश ऐसे समय में आए जब कर्मचारी और छात्र संगठन सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इन उपायों का बचाव करते हुए कहा, 'स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में पार्टी के झंडों पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों और कर्मचारियों के अधिकार नहीं छिनेंगे, बल्कि इससे उनकी पेशेवर स्वतंत्रताएं और मजबूत होंगी।'

राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48°C पार

मप्र-हरियाणा में ओले, यूपी के बरेली में गाड़ियों पर पेड़-खंभे गिरे, बिहार-महाराष्ट्र में आंधी-बिजली से 11 मौतें

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। राजस्थान में रिकॉर्ड गर्मी रही। पांच जिलों में 45°C से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां पारा 48.3°C रहा। फलोदी में 46.4°C, जैसलमेर में 45.8°C, चित्तौड़गढ़ में 45.6°C और बीकानेर में 45°C तापमान रहा।

मध्य प्रदेश में दो तरह का मौसम देखने को मिला। एक तरफ रतलाम लगातार तीसरे दिन राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, यहां पारा 46.5डिग्री रहा। वहीं, निवाड़ी जिले के बीजौर में तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे।

हरियाणा के पिनगवां में भी ओले गिरे। पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के बरेली और रामपुर में 50kmph की रफ्तार से धूलभरी आंधी चली। इससे सड़क किनारे लगे खंभे उखड़ गए। चलती गाड़ियों पर पेड़ की टहनियां टूटकर गिर गईं। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी के कारण एक मंदिर की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, करेल के मल्पपुरम में बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई।

मेट्रो एंकर

महिलाओं के करियर और विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

पत्नी का करियर बनाने की कोशिश में पति की भावनाएं आहत होना क्रूरता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के करियर और विवाह को लेकर अधिकारों के मामले पर एक अहम टिप्पणी की है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि पत्नी के अपने पेशेवर सपनों को पूरा करने के प्रयास को वैवाहिक क्रूरता नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ इसलिए किसी महिला के करियर को गलत करार देना कि उससे पति या उसके ससुराल वालों की भावनाएं आहत हो सकती हैं, यह बेहद पिछड़ी सोच को दिखाता है।

करियर में आगे बढ़ने को 'क्रूरता' मानना चिंताजनक

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहताकी पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि जब देश आज महिला सशक्तिकरण की बातें कर रहा है, तब किसी महिला की प्रोफेशनल पहचान को पति की मंजूरी मिलने पर निर्भर मानना संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 21वीं सदी में भी यदि किसी काबिल महिला के करियर आगे बढ़ाने के निर्णय को 'क्रूरता' माना जाए, तो यह काफी चिंताजनक है।

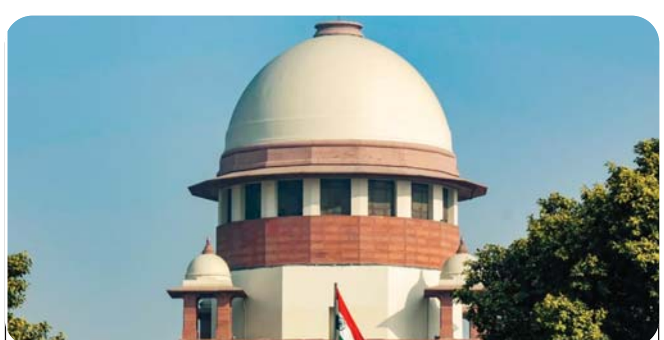

बेटी के बेहतर इलाज के लिए कारगिल से लौटी थी महिला

जान लें कि यह केस एक महिला डेंटिस्ट का था, जिनकी शादी एक आर्मी अफसर से 2009 में हुई थी। पति की पोस्टिंग कारगिल में होने के चलते महिला पहले वहां चली गई थी, लेकिन बेटी की सेहत बिगड़ने के बाद बेहतर इलाज के लिए वह अहमदाबाद लौट आई और मायके में रहने लगीं। इसके बाद, यहीं महिला ने फिर से अपना डेंटल करियर शुरू किया।

निचली अदालतों के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई हैरानी

हालांकि, फैमिली कोर्ट ने अपने फैसले में अहमदाबाद में क्लिनिक खोलने और मायके में रहने को वैवाहिक क्रूरता और पति का परित्याग माना था। हाईकोर्ट ने भी बाद में इस निर्णय को सही ठहराया था। हालांकि, Supreme Court ने निचली अदालतों के इन निर्णयों को 'चौंकाने वाला' और 'पूरी तरह अस्वीकार्य' माना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पत्नी से यह आशा करना कि पति की जॉब और सुविधा के लिए वह अपने सपनों का बलिदान दे देगी, यह आज के समाज और संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564